PRN: MCN/329/2025-2027
http://www.swarnimpradesh.in
http://epaper. swarnimpradesh.in
Email- swarnimpradesh@yahoo.com

दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश

संरक्षकः मां वैष्णों देवी

* वर्षः 08 * अंक : 42 * मुंबई, शनिवार, 19 जुलाई 2025 * पेजः 6 * मूल्यः 2 रुपये * संपादकः सुनील कुमार तिवारी

बिहार-बंगाल को मिला विकास का तोहफा: पीएम मोदी ने 12,200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का किया शुभारंभ, विपक्ष ने बताया चुनावी स्टंट

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार और पश्चिम बंगाल में कुल १२,२०० करोड़ रुपये से अधिक की बहु-क्षेत्रीय विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में रेलवे, सड़क, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं, जिनका उद्देश्य क्षेत्रीय संपर्क को सशक्त बनाना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देना है। इनमें बिहार को ७,२०० करोड़ रुपये से अधिक की और बंगाल को ५,००० करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं आवंटित की गई हैं। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इन दोनों राज्यों में प्रधानमंत्री का यह दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है, विशेषकर तब जब बिहार में एनडीए गठबंधन आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटा है और पश्चिम बंगाल में २०२६ में चुनाव होने हैं। विपक्ष ने इन परियोजनाओं को चुनावी घोषणा करार देते हुए आलोचना की है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री के वक्तव्य को 'विभाजनकारी' करार देते हुए कहा कि उन्हें बिहार के अपराध दर और जमीनी विकास पर बोलना चाहिए था। वहीं भाजपा ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की घोषणाएं पूरी (शेष पेज २ पर)

विधानसभा में फिर विवादों में घिरे भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर, पीठासीन अधिकारी और मंत्री से हुई तीखी बहस

संवाददाता

मुंबई। भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गए हैं। गुरुवार को एनसीपी (एसपी) के विधायक जितेंद्र आव्हाड के साथ उनके समर्थकों की विधान भवन में हुई झड़प की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि शुक्रवार को विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन उन्होंने सदन में पीठासीन अधिकारी और स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे से तीखी बहस कर डाली। दरअसल, पडलकर शिक्षकों की सीधी भर्ती प्रक्रिया पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत कर रहे थे, जिसमें उन्होंने एससी, एसटी, ओबीसी और वीजेएनटी समुदायों पर हो रहे असर का मुद्दा उठाया। जब वे अपनी बात रख रहे थे, तब पीठासीन अधिकारी समीर कुणावार ने उनसे अनुरोध किया कि वे विषय पर 'सीधा और स्पष्ट' प्रश्न पूछें।

इस पर पडलकर नाराज हो गए और उन्होंने गुस्से में कहा, यह मुद्दा सीधा सवाल पूछकर कैसे हल होगा? मेरा ध्यानाकर्षण नोटिस रद्द कर दीजिए, मुझे कोई जवाब नहीं चाहिए। मामला यहीं नहीं थमा। शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि 'मुद्दा महत्वपूर्ण था, लेकिन जब ध्यानाकर्षण लिया गया, तब आप सदन में उपस्थित नहीं थे। मैंने अध्यक्ष से कहा था कि आपकी मौजूदगी में इसे दोबारा लिया जाए। इस पर पडलकर और अधिक आक्रामक हो गए, जिस पर मंत्री ने कहा, मैं आपसे शालीनता से बात कर रहा हूं। लगातार दो दिनों में अलग-अलग विधायकों और पदाधिकारियों से भिड़ने के कारण पडलकर की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। एक ओर जहां उन्हें विपक्ष से तीखी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, वहीं सत्तारूढ़ पक्ष के भीतर भी उनके रवैये को लेकर असहजता देखी जा रही है।

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।

संपर्कः ईमेलःswarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

इंडिया गठबंधन से आम आदमी पार्टी का अलगाव

संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) से अलग होने की घोषणा कर दी। राज्यसभा सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने प्रेस को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि 'अब आप इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है,' और पार्टी सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से पहले होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में भी भाग नहीं लेगी। संजय सिंह ने कहा कि इंडिया गठबंधन का गठन केवल २०२४ के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए किया गया था, और उस उद्देश्य की पूर्ति के बाद आम आदमी पार्टी ने अपने सभी विधानसभा चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़े हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, 'हमने दिल्ली और हरियाणा विधानसभा चुनाव अकेले लड़े, बिहार चुनाव भी अकेले लड़ेंगे। पंजाब और गुजरात के उपचुनाव भी हमने अपने बलबूते पर लड़े। इसलिए अब आप इंडिया का हिस्सा नहीं है। हालाँकि, पार्टी संसद के भीतर विपक्षी समन्वय को जारी रखने के पक्ष में है। सिंह ने कहा, 'संसदीय मुद्दों पर हम तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक जैसी विपक्षी पार्टियों के साथ रणनीतिक गठबंधन बनाए रखते हैं और भविष्य में भी बनाए रखेंगे। हमारा उद्देश्य हमेशा एक मज़बूत और प्रभावी विपक्ष की भूमिका निभाना रहा है। इस दौरान संजय सिंह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए विपक्षी एकता के अभाव का ठीकरा उसी के सिर फोड़ा। उन्होंने पूछा, क्या लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने कोई बैठक बुलाई? क्या इंडिया ब्लॉक के विस्तार या पुनर्गठन के लिए कोई पहल हुई? उल्टा वे कभी अखिलेश यादव, कभी उद्धव ठाकरे और कभी ममता बनर्जी की आलोचना करते हैं। क्या इस तरह विपक्षी एकता संभव है? आप के इस फैसले का प्रभाव आगामी मानसून सत्र और विपक्षी रणनीति पर पड़ना तय है। संसद का यह सत्र २१ जुलाई से शुरू होकर एक महीने तक चलेगा। इससे पहले इंडिया ब्लॉक के घटक दलों की एक अहम बैठक शनिवार शाम को ऑनलाइन होने जा रही है, जिसमें देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की जाएगी।

महाराष्ट्र सरकार और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (बर्कले) के बीच ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक करार

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने अमेरिका के प्रतिष्ठित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (बर्कले) के साथ ऊर्जा अनुसंधान, नीति विकास और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में सहयोग हेतु एक ऐतिहासिक सामंजस्य करार **(MoU)** पर हस्ताक्षर किए हैं। यह करार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में विधान भवन स्थित मंत्रिमंडल कक्ष में संपन्न हुआ, जिसमें कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर ऊर्जा राज्यमंत्री मेघना बोर्डीकर, ऊर्जा विभाग की अपर मुख्य सचिव आभा शुक्ला, महावितरण के प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्रा,महानिर्मिती के राधाकृष्णन बी.,महापारेषण के संजीव कुमार और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस महत्वपूर्ण समझौते पर आभा शुक्ला और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के वरिष्ठ सलाहकार मोहित भार्गव ने हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस अवसर पर कहा कि, 'कैलिफोर्निया विश्व विद्यालय जैसी वैश्विक स्तर की संस्था के साथ यह सहयोग महाराष्ट्र को ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और नीति निर्माण की दिशा में अग्रणी बनाएगा। यह समझौता ऊर्जा भंडारण, विद्युत बाजार सुधार, ट्रांसमिशन प्रणाली, जलवायु अनुकूल नीतियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संयुक्त प्रयासों का द्वार खोलेगा। समझौते के तहत दोनों पक्ष स्वच्छ, विश्वसनीय और किफायती ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने, ग्रिड प्रणाली में सुधार लाने, विद्युत बाजार संरचना के विकास, जलवायु-संवेदनशील नीतियों

के निर्माण और व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहयोग करेंगे। यह सहयोग स्थानीय जरूरतों के अनुरूप समाधान खोजने के साथ-साथ राज्य की ऊर्जा क्षमता और संस्थागत दक्षता को भी सशक्त करेगा। अपर मुख्य सचिव आभा शुक्ला ने कहा कि यह समझौता महाराष्ट्र की ऊर्जा प्रणाली को पर्यावरण-अनुकूल, सतत और नवोन्मुखी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। राज्य की शैक्षणिक संस्थाएं, अनुसंधान केंद्र और प्रशासन इस साझेदारी के माध्यम से वैश्विक अनुभव और नवाचार से लाभान्वित होंगे। यह करार चीले स्वरूप का है, जिससे भविष्य में नई परियोजनाओं और अनुसंधान पहलों के लिए सहयोग के नए द्वार खुले रहेंगे। यह करार राज्य की ऊर्जा नीति को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने, तकनीकी दक्षता बढ़ाने और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में नेतृत्व हासिल करने की दिशा में निर्णायक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

मीरा रोड सभा से गरजे राज ठाकरे मराठी अस्मिता के अपमान पर चुप नहीं बैठेंगे

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में हाल ही में विधायकों के समर्थकों के बीच हुई हाथापाई के बाद राज्य में 'मराठी बनाम हिंदी' की बहस फिर तेज हो गई है। इसी संदर्भ में शुक्रवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने मीरा रोड के नित्यानंद नगर में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य सरकार और केंद्र पर तीखा हमला बोला और मराठी भाषा के समर्थन में खुलकर आवाज उठाई। ठाकरे ने कहा, 'हमारे महाराष्ट्र का क्या हो गया है?' उन्होंने दावा किया कि मनसे कार्यकर्ताओं ने मराठी भाषा और अस्मिता के अपमान के विरोध में हाथ उठाया, जिसे गलत तरीके से प्रचारित किया जा रहा है। अपने कार्यकर्ताओं को मराठी सैनिक बताते हुए ठाकरे ने कहा कि जब उनके सैनिक भाषा के सम्मान के लिए खड़े होते हैं, तो उनकी पार्टी पर सवाल उठाने वाले लोग गायब हो जाते हैं। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार द्वारा पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी भाषा को अनिवार्य किए जाने के फैसले पर तीखा विरोध जताया और कहा कि यह कदम राज्य की पहचान को मिटाने की साजिश है। ठाकरे ने चेतावनी दी कि 'मराठी सीखो, हम कोई झगड़ा नहीं चाहते, लेकिन अगर मजाक करोगे तो महाराष्ट्र को झटका लगेगा।' उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस बयान की भी आलोचना की जिसमें हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने की बात कही गई थी, और कहा कि 'अगर सरकार आत्महत्या करना चाहती है तो करे, हम सिर्फ दुकानें ही नहीं, स्कूल भी बंद करवा देंगे।' ठाकरे ने केंद्र सरकार और राज्य नेतृत्व पर यह आरोप भी लगाया कि हिंदी थोपने की नीति दरअसल मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की दीर्घकालिक साजिश का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत कांग्रेस के शासनकाल से हुई थी और (शेष पेज २ पर)

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25: महाराष्ट्र को दस राष्ट्रीय पुरस्कार, मीरा-भाईंदर देश में अव्वल

संवाददाता

नई दिल्ली। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के अंतर्गत आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण २०२४-२५ में महाराष्ट्र ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराते हुए दस प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किए हैं। इस उपलब्धि में सबसे प्रमुख है मीरा-भाईंदर महानगरपालिका (ठाणे), जिसने ३ से १० लाख जनसंख्या श्रेणी में देशभर में पहला स्थान प्राप्त कर राज्य का गौरव बढ़ाया। यह पुरस्कार विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों प्रदान किए गए, जिसमें केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, राज्यमंत्री तोखन साहू और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। महाराष्ट्र की ओर से राज्यमंत्री माधुरी मिसाळ, प्रधान सचिव डॉ. के.एच. गोविंदराज, और राज्य मिशन निदेशक नवनाथ वाठ ने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए पुरस्कार ग्रहण किए। पुरस्कारों की सूची में कराड नगरपालिका (सातारा) को ५० हजार से ३ लाख श्रेणी में देश में दूसरा स्थान मिला, जबकि नवी मुंबई को १० लाख से अधिक आबादी वर्ग में 'सुपर स्वच्छ लीग सिटी' घोषित किया गया। अन्य विजयी नगरपालिकाओं में लोणावळा, विटा, सासवड, देवळाली प्रवरानगर, पंचगणी और पन्हाळा शामिल हैं, जिन्होंने विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका को देश में सातवाँ और राज्य में पहला स्थान मिला, और साथ ही इसे '७ स्टार गार्बेज फ्री सिटी' तथा 'वॉटर प्लस सर्टिफिकेशन' जैसे सम्मान भी प्राप्त हुए। इस (शेष पेज २ पर)

महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून सत्र संपन्नः विशेष जन सुरक्षा विधेयक समेत 16 महत्वपूर्ण विधेयक पारित, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों ने दी जानकारी

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून सत्र शुक्रवार को समाप्त हो गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सत्र की कार्यवाही, पारित विधेयकों और विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। सत्र में कुल १६ महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए, जिनमें महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक, मकोका में मादक पदार्थों को शामिल करने संबंधी संशोधन, अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग को वैधानिक दर्जा, लघु खनन प्राधिकरण, और त्र्यंबकेश्वर-नासिक कुंभ मेला प्राधिकरण से संबंधित विधेयक शामिल हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा अधिनियम लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत बनाया गया है और इसमें सीधे किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी या संस्था पर कार्रवाई का प्रावधान नहीं है। इसके लिए न्यायिक समिति की अनुमति अनिवार्य होगी।

उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में अब तक औसतन ९० प्रतिशत वर्षा हो चुकी है। कुछ क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति बनी, जहाँ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के माध्यम से राहत कार्य किया गया है। प्रभावित क्षेत्रों में पंचनामा कर मुआवजा वितरण शुरू हो चुका है और कई जिलों में धनराशि वितरित भी की जा चुकी है। राज्य के प्रमुख बांधों में ६७इ जल संग्रह हो चुका है, जिससे खरीफ फसल के लिए अनुकूल स्थिति बनी है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पूरक मांगों के माध्यम से मेट्रो परियोजनाओं, पेयजल योजना, नगर परिषदों व जिला परिषदों, महात्मा फुले जन आरोग्य योजना, छात्रवृत्ति योजना, और शिक्षा क्षेत्र को व्यापक वित्तीय सहायता दी गई है। दिव्यांग भत्ता

१५०० से बढ़ाकर २५०० रुपये किया गया है, और शिक्षक स्तर अनुदान तथा अनुकंपा नीति में भी संशोधन किया गया है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र को पशुपालन के समान दर्जा देने का निर्णय भी इसी सत्र में लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कल विधानसभा परिसर में हुई घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस पर विधानसभा अध्यक्ष ने संज्ञान लिया है और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। एक ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के १२ किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है, जो महाराष्ट्र के लिए गौरव का क्षण है। दोनों सदनों में इस पर प्रशंसा व्यक्त की गई और मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई के सम्मान में भी सदन में अभिनंदन किया गया। मराठा समुदाय के लिए सरकार ने अन्नासाहेब पाटिल आर्थिक विकास निगम को ७५० करोड़ रुपये की निधि देने का निर्णय लिया है, जिसमें से पहला चरण वितरित हो (शेष पेज २ पर)

मौत का सौदागर बना डीआरएम हिरेश मीना!

संवाददाता

मुंबई। मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाला कल्याण रेलवे स्टेशन इन दिनों मौत का मैदान बनता जा रहा है। रोजाना ५ से ७ लोगों की ट्रेनों से गिरकर मौत हो रही है, लेकिन रेलवे प्रशासन की चुप्पी और लापरवाही यात्रियों की जान को सस्ता बना रही है। रेलवे बोर्ड और मंत्रालय से लेकर मुंबई मंडल तक, कहीं से भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है सूत्रों के मुताबिक, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस **(CSMT)** से कल्याण के बीच चलने वाली लोकल और मेल गाड़ियों में यात्री असुरक्षित हैं, और इसमें सबसे बड़ा योगदान है– रेल प्रशासन की निष्क्रियता का। स्वर्णिम प्रदेश के पत्रकार ने जब इस गंभीर मुद्दे पर मुंबई मंडल के डीआरएम हिरेश मीना से बात करने की कोशिश की तो उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि जीएम के निर्देशानुसार पत्रकारों को केवल पीआरओ ही जवाब देंगे। सवाल यह है कि जब डीआरएम पत्रकारों से मिलने को तैयार नहीं, तब यात्री आवाज़ किससे उठाएं? मीना के डीआरएम बनने के बाद से पूरे मंडल में एक तरह की प्रशासनिक शिथिलता देखी जा रही है।

रेलकर्मी असंवेदनशील हो चुके हैं, स्टेशन प्रबंधन बेतरतीब हो गया है, और अव्यवस्था ने यात्रियों की जिंदगी को दांव पर लगा दिया है। कल्याण स्टेशन पर बिना घोषणा के प्लेटफार्म बदल जाता है जिससे यात्रियों को रेलवे लाइन पर कूद कर गाड़ी पकड़ना पड़ता है यह एक बड़ी समस्या

यह है कि मेल एक्सप्रेस गाड़ियों के प्लेटफॉर्म संबंधी घोषणाएं समय पर नहीं की जातीं। जिन गाड़ियों को प्लेटफॉर्म नंबर ४ और ५ पर आना था, वे बिना पूर्व सूचना के ६ या ७ नंबर पर लाया जाता है। इससे यात्री घबराकर ट्रेन पकड़ने के लिए प्लेटफॉर्म से कूदकर ट्रैक पार करते हैं, जिससे गंभीर हादसों की संभावना बनी रहती है। पंचवटी एक्सप्रेस, जो कसारा की ओर से आती है, उसे कभी ५ तो कभी ६ नंबर प्लेटफॉर्म पर लिया जाता है। इसका ठोस प्रोटोकॉल नहीं है। कल्याण के स्टेशन मास्टर राधे कृष्ण मीना की लापरवाही के चलते यह सब हो रहा है, और इन अनिया मतताओं पर डीआरएम हिरेश मीना की चुप्पी और मौन सहमति साफ नजर आती है। इन गड़बड़ियों से अवैध हॉकरों और रेलवे स्टाफ को अप्रत्यक्ष लाभ पहुंचता है।

डीआरएम की 'सुरक्षा' और बंद दरवाजों के पीछे की चुप्पी (शेष पेज २ पर)

संपादकीय

ड्रोन: बदलते युद्ध परिदृश्य की रीढ़

भारत का 'ऑपरेशन सिंदूर' न केवल पाकिस्तान को दिया गया एक कठोर जवाब था, बल्कि यह भविष्य के युद्ध कौशल और भारतीय वायुसेना की तकनीकी श्रेष्ठता का भी एक ऐतिहासिक प्रदर्शन था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद यह ऑपरेशन भारत की रणनीतिक क्षमताओं और तेजी से विकसित होती रक्षा सोच का परिचायक बन गया। परंतु, हमें इस सफलता से आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए। जैसा कि भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ **(CDS)** जनरल अनिल चौहान ने हाल ही में कहा- 'आज का युद्ध कल की तकनीक से लड़ा जाना चाहिए, न कि बीते जमाने की प्रणालियों से। युद्ध अब केवल टैंकों, बंदूकों और सैनिकों की गिनती तक सीमित नहीं है। यह तकनीकी वर्चस्व और सूचना आधारित श्रेष्ठता का युद्ध है और इसमें सबसे बड़ी क्रांतिकारी शक्ति बनकर उभरे हैं यूएवी (मानवरहित हवाई वाहन), जिन्हें आम भाषा में 'ड्रोन' कहा जाता है। यूएवी तकनीक आधुनिक युद्ध प्रणाली में 'गेम-चेंजर' साबित हो रही है। ये उपकरण रडार से छिपकर उड़ने, दुश्मन की रक्षा प्रणालियों को चकमा देने, रीयल-टाइम डेटा जुटाने, और लक्ष्यों पर सटीक हमले करने में सक्षम हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान द्वारा प्रयुक्त अधिकांश ड्रोन हमलों को अपनी मज़बूत वायु रक्षा प्रणाली के माध्यम से निष्क्रिय कर दिया। यह हमारे तकनीकी कौशल की जीत थी। हालाँकि, यह भी एक यथार्थ है कि भविष्य में पाकिस्तान को उसके रणनीतिक सहयोगियों विशेषकर चीन और तुर्कीसे अधिक उन्नत ड्रोन तकनीक मिल सकती है। ऐसे में भारत के लिए जरूरी हो जाता है कि वह स्वदेशी यूएवी निर्माण, नवाचार और निर्यात के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने।यूक्रेन-रूस युद्ध ने ड्रोन युद्ध की दिशा को निर्णायक रूप से बदल दिया है। जहां एक ओर यूक्रेन ने रूस की पारंपरिक सैन्य शक्ति का मुकाबला करने के लिए ड्रोन का भरपूर उपयोग किया, वहीं रूस भी अब ड्रोन निर्माण और नवाचार में भारी निवेश कर रहा है। दोनों देशों में अब हर साल लाखों की संख्या में ड्रोन बनाए जा रहे हैं।

भारत को इस बदलते वैश्विक समीकरण से न केवल रणनीतिक चेतना प्राप्त करनी चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे ड्रोन सिस्टम न केवल आत्मनिर्भर हों, बल्कि वैश्विक मानकों पर प्रतिस्पर्धी भी हों। इसमें निगरानी, स्ट्राइक क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग, और 'स्टील्थ' जैसी खूबियाँ समाहित की जानी चाहिए। ड्रोन तकनीक न केवल सुरक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन ला सकती है, बल्कि यह एक मजबूत आर्थिक स्तंभ भी बन सकती है। भारत की विशाल युवा आबादी को इस क्षेत्र में प्रशिक्षित कर तकनीकी और उत्पादन क्षमता में बदलना चाहिए। इससे न केवल रक्षा क्षेत्र में स्वावलंबन बढ़ेगा, बल्कि हम विदेशी मुद्रा अर्जन, निर्यात और रक्षा कूटनीति में भी प्रमुख भूमिका निभा सकेंगे। दुनिया में आज उन्हीं देशों का प्रभाव बढ़ रहा है जो रक्षा उत्पादन, नवाचार और तकनीकी नेतृत्व में अग्रणी हैं। भारत को यदि वैश्विक महाशक्ति बनना है, तो उसे यूएवी तकनीक में न केवल आत्मनिर्भरता, बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका निभानी होगी। ऑपरेशन सिंदूर न केवल भारत की वर्तमान तैयारी का आईना है, बल्कि यह उस राष्ट्र-निर्माण की दिशा में एक ठोस कदम है जिसमें आत्मनिर्भरता, तकनीकी नवाचार, और रणनीतिक सूझबूझ तीनों ही एक साथ चलते हैं।

पेज 1 का शेष...

बिहार-बंगाल को मिला विकास...

तरह विकास-केंद्रित हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने ईटीवी भारत से बातचीत में कहा कि 'राजद के समय बिहार में सिर्फ अपराध ही अपराध था, जबकि अब राज्य में रोजगार, सड़क और आधारभूत ढांचे का विकास हो रहा है।' उन्होंने कहा कि एनडीए शासनकाल में जितना विकास हुआ है, उतना शायद कभी बिहार ने नहीं देखा। पश्चिम बंगाल को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा लगाए गए आरोपों पर आरपी सिंह ने कहा कि वहां चुनाव अभी दूर हैं, फिर भी यदि प्रधानमंत्री राज्य को परियोजनाओं का लाभ दे रहे हैं, तो इसे केवल चुनावी सौगात कहना गलत होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में बंगाल अपराध की गिरफ्त में है और प्रधानमंत्री जो भी सौगात दे रहे हैं, वह राज्य की भलाई के लिए है। इस पूरी कवायद को भाजपा के आगामी चुनावों में अपनी स्थिति मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी इन परियोजनाओं के जरिए जनता के बीच अपनी विकासवादी छवि को और सुदृढ़ करना चाहती है।

मीरा रोड सभा से गरजे...

आज भी वही मंशा जारी है। उन्होंने पूछा कि सरकार किसके दबाव में यह निर्णय ले रही है और किसके इशारे पर मराठी को हाशिये पर डाला जा रहा है। मीरा रोड में मनसे कार्यकर्ताओं और एक स्थानीय व्यक्ति के बीच हुई झड़प पर सफाई देते हुए ठाकरे ने कहा कि मनसे कार्यकर्ता हिंदी थोपे जाने के खिलाफ शांतिपूर्ण मार्च कर रहे थे, जब एक व्यक्ति ने टिप्पणी की कि 'यहां सिर्फ हिंदी चलती है', जिससे विवाद बढ़ गया। उन्होंने इसे राजनीतिक रंग देने और बंद बुलाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि मराठी दुकानदारों को भी नुकसान हुआ। ठाकरे ने दो टूक कहा कि अगर राज्य सरकार ने हिंदी थोपने की नीति नहीं बदली, तो मनसे पूरे महाराष्ट्र में जन आंदोलन छेड़ेगी। उनका यह स्पष्ट संदेश है कि यदि मुंबई और महाराष्ट्र की पहचान से कोई खिलवाड़ हुआ, तो उसकी कीमत केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को चुकानी पड़ेगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25...

सफलता के पीछे महाराष्ट्र की कचरा प्रबंधन प्रणाली का अत्याधुनिक ढांचा, स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण, नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और तकनीकी नवाचार की प्रमुख भूमिका रही। मीरा-भाईंदर ने मशीन आधारित कचरा संग्रहण और व्यापक जनजागरण के माध्यम से यह सफलता हासिल की, जबकि पिंपरी-चिंचवड ने समग्र शहरी स्वच्छता का मॉडल प्रस्तुत किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छता न केवल स्वास्थ्य से जुड़ी है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार भी है। उन्होंने महिला भागीदारी को सराहते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक पहल बताया, साथ ही सफाईमित्रों के योगदान को सम्मानित करते हुए मैनहोल के स्थान पर मशीन-होल के उपयोग को ज़रूरी बताया। गौरतलब है कि स्वच्छ भारत मिशन-शहरी २.० के तहत देश के ४,५०० से अधिक शहरों का दस मापदंडों पर मूल्यांकन किया गया, जिनमें कचरा संग्रहण, पृथक्करण, पर्यावरणीय उपाय, नागरिक सहभागिता और जनजागरण प्रमुख हैं। इस वर्ष की थीम 'रिड्यूस, रीयूज़, रीसायकल' थी। ४५ दिनों के भीतर ३,००० से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं ने ११ लाख घरों और परिसरों का सर्वेक्षण किया, जिसमें १४ करोड़ नागरिकों की भागीदारी रही।

महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून...

चुका है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मानसून सत्र में आम आदमी के हित में कई निर्णय लिए गए हैं। झुग्गी पुनर्विकास, क्लस्टर योजनाएँ, किफायती आवास, महिलाओं के छात्रावास, पुलिस और मिल मजदूरों के लिए आवास जैसी योजनाओं पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुंबई में झुग्गी बस्तियों के पुनर्विकास के लिए सरकारी और निजी भागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा घोषित १५०-दिवसीय कार्ययोजना की समीक्षा सत्र के दौरान की गई और प्रशासन को गति देने के लिए कई निर्णय लिए गए। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बताया कि सत्र में ५७,५०९ करोड़ रुपये की अनुपूरक माँगों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि इस बार सदन में आधे घंटे की चर्चा का समय अधिक रहा, और बहस के दौरान अधिकांश सवाल गंभीर और उपयोगी सुझावों से जुड़े थे। उन्होंने इसे अभूतपूर्व बताया और कहा कि एक ही दिन में २५-३० विषयों पर गंभीर चर्चा हुई, जिसके लिए प्रशासन ने गहन तैयारी की।

मौत का सौदागर बना...

इस मामले पर डीआरएम से मिलने के लिए जब पत्रकार ने समय मांगा, तो कहा गया कि वे 'व्यस्त' हैं। उनके केबिन के बाहर आरपीएफ तैनात है, जिससे आमजन और पत्रकारों की पहुंच लगभग नामुमकिन हो गई है। किससे मिल रहे हैं, क्या काम कर रहे हैं, कुछ भी पारदर्शी नहीं है। यदि रेलवे जैसी सार्वजनिक सेवा में जिम्मेदार अधिकारी पत्रकारों से भी संवाद से भागते हैं, तो यात्री समस्याओं का समाधान कहां से होगा?

तेल की बूंदों पर टिका भारत का वैश्विक संतुलन

धर्मेन्द्र पाण्डेय

बढ़ते वैश्विक दबावों के बीच भारत की विदेश नीति और ऊर्जा रणनीति आज एक जटिल मोड़ पर खड़ी है। रूस से तेल आयात को लेकर भारत पर अमेरिका और यूरोपीय देशों का दबाव तेज़ हो गया है। यह दबाव केवल नैतिक आग्रह नहीं, बल्कि रणनीतिक चेतावनियों और संभावित प्रतिबंधों के रूप में सामने आ रहा है। पश्चिम चाहता है कि भारत रूस से तेल और अन्य संसाधनों का आयात कम करे, ताकि पुतिन सरकार की युद्ध अर्थव्यवस्था को कमजोर किया जा सके। लेकिन क्या भारत इतनी आसानी से झुक सकता है? या यह स्थिति उसकी दुविधा को और गहरा बनाएगी? पिछले दो वर्षों में भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद में आश्चर्यजनक वृद्धि की है। पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण रूस ने एशियाई देशों को रियायती दरों पर तेल बेचना शुरू किया, जिसका सबसे बड़ा लाभार्थी भारत रहा। इससे भारत को दोहरे फायदे मिले—एक ओर ऊर्जा लागत में भारी कटौती हुई और दूसरी ओर घरेलू मुद्रास्फीति को काबू में रखने में मदद मिली। लेकिन अब जब अमेरिका और यूरोपीय संघ रूस के खिलाफ अपनी आर्थिक कार्रवाई को और तेज़ करने पर आमादा हैं, भारत के लिए स्थिति आसान नहीं रही।

भारत की विदेश नीति का मूल सिद्धांत 'रणनीतिक स्वायत्तता' रहा है। यानी, वह किसी भी गुट या महाशक्ति के दबाव में बिना अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देता रहा है। रूस के साथ भारत के रिश्ते केवल व्यापार तक सीमित नहीं, बल्कि दशकों पुराने रक्षा, ऊर्जा और अंतरिक्ष सहयोग तक फैले हैं। भारत के सैन्य उपकरणों का बड़ा हिस्सा रूस से आता है। ऐसे में रूस से अचानक दूरी बना लेना व्यवहारिक नहीं है। इसके विपरीत, अमेरिका के साथ भी भारत के रिश्ते अब केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि तकनीकी, व्यापारिक और नागरिक परमाणु सहयोग की गहराई तक जा चुके हैं। क्वाड जैसे मंच पर भारत-अमेरिका सहयोग बढ़ा है, और चीन को संतुलित करने में दोनों देश समान रुचि रखते हैं। इस संदर्भ में अमेरिका की उम्मीदें यह हैं कि भारत रूस से दूरी बनाकर पश्चिमी मोर्चे की तरफ अधिक स्पष्टता से खड़ा हो। लेकिन भारत अब भी दोनों पक्षों के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रहा है। यह संतुलन आसान नहीं है। अमेरिका खुले तौर पर उन देशों को चेतावनी दे रहा है जो रूस से व्यापार कर रहे हैं—विशेषकर तेल और हथियारों को लेकर। भारत पर 'सेकेंडरी सैंक्शन्स' का खतरा मंडरा रहा है, जो उसके बैंकिंग लेन-देन, डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली और तकनीकी निवेश को प्रभावित कर सकता है। इसके साथ ही, भारत को यह भी आकलन करना है कि क्या वह पश्चिम के साथ खड़ा होकर ऊर्जा के मामले में अधिक खर्च और अनिश्चितता को सहन कर सकता है। भारत की

एक और चुनौती यह है कि पश्चिमी देश जो विकल्प प्रस्तुत कर रहे हैं, वे तत्कालिक समाधान नहीं हैं। पश्चिम एशिया या अमेरिका से आयात महंगा है, और उनकी आपूर्ति श्रृंखला भी स्थिर नहीं मानी जाती। इसके अलावा, रूस के साथ भारत का भुगतान व्यवस्था रचनात्मक रही है—रुपया-रूबल व्यापार जैसे मॉडल में भारत को डोलर निर्भरता से कुछ राहत मिली है। भारत के पास कुछ विकल्प हैं। वह रूस से तेल खरीद में मामूली कटौती करते हुए पश्चिम को संकेत दे सकता है कि वह वैश्विक चिंता को समझता है। साथ ही, वह अपनी ऊर्जा रणनीति में विविधता लाकर पश्चिमी देशों से एलएनजी और अक्षय ऊर्जा में दीर्घकालिक समझौते कर सकता है। इससे एक ओर दबाव कम होगा, दूसरी ओर ऊर्जा निर्भरता के जोखिम भी घटेंगे।

तीसरा रास्ता यह है कि भारत एक वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए, रूस और पश्चिम के बीच संवाद बढ़ाने में मदद करे—जैसा वह अतीत में यूक्रेन युद्ध के मसले पर संकेत दे चुका है। यह समय भारत के लिए केवल विदेश नीति का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक ऊर्जा नीति और आत्मनिर्भरता के पुनरावलोकन का भी है। अक्षय ऊर्जा, परमाणु विकल्प, और घरेलू उत्पादन को प्राथमिकता देकर भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को अधिक टिकाऊ बना सकता है, जिससे भविष्य में ऐसे किसी भू-राजनीतिक दबाव का मुकाबला बेहतर ढंग से किया जा सके। इस पूरी स्थिति में सबसे अहम बात यह है कि भारत को अपनी स्थिति स्पष्ट रूप से परिभाषित करनी होगी। अनिर्णय की स्थिति उसकी वैश्विक छवि को नुकसान पहुँचा सकती है। भारत को यह दर्शाना होगा कि वह न तो दबाव में झुकता है, न ही अपने दीर्घकालिक हितों की अनदेखी करता है। यह भारत की अग्निपरीक्षा भी है—जहाँ उसे सिद्ध करना है कि उसकी विदेश नीति केवलप्रतिक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि दूरदर्शिता और आत्मबल पर आधारित है। भारत की ताकत उसका संतुलन है, लेकिन अब वह संतुल न सिद्धांत से आगे बढ़कर निर्णय की मांग कर रहा है। यही क्षण भारत को एक परिपक्व वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने या असमंजस में उलझे राष्ट्र के रूप में सीमित कर देने वाला बन सकता है।

शिव और भिक्षाटन

एक बार पृथ्वी पर भीषण अकाल पड़ा। अन्न और जल समाप्त होने लगे, जिससे लोग त्राहि-त्राहि करने लगे। तब भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश ने पृथ्वीवासियों की प्रार्थना सुनी। भगवान विष्णु ने शिव को योग निद्रा से जगाया और पृथ्वी की स्थिति से अवगत कराया। तब भगवान शिव ने भिक्षुक का रूप धारण किया और माता पार्वती ने अन्नपूर्णा का रूप लिया। अन्नपूर्णा, जो 'भोजन से परिपूर्ण' का प्रतीक हैं, ने काशी में एक रसोई स्थापित की और सभी को भोजन कराना शुरू किया। भगवान शिव, भिक्षुक के रूप में, अन्नपूर्णा के पास भिक्षा मांगने गए। अन्नपूर्णा ने उन्हें भोजन दिया, जिससे शिव को यह एहसास हुआ कि वे ब्रह्म हैं और उनकी भूख तो शांत हो गई है, लेकिन उनके भक्तों की भूख अभी बाकी है। इस घटना के बाद, भगवान शिव और माता पार्वती ने पृथ्वी पर अन्न और जल की कमी को दूर किया।

- लेखक. एड.राम कृष्ण मिश्रा

वास्तु के अनुसार घर में कभी भी ऐसा बेलपत्र का पेड़ नहीं रखना चाहिए जिसके पत्ते पूरी तरह सूख गए हों। इस प्रकार का पेड़ घर में नकारात्मकता लाता है।

जानिए ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री से आज का राशिफल

09594318403/9820819501

मेष: आज माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति का प्रयास सफल रहेगा। शारीरिक कष्ट संभव है। ब्रह्माण्ड की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। विवेक से कार्य करें। पार्टी और कार्यक्रम का कार्यक्रम।

वृषभ: चोट व रोग से परेशानी हो सकती है। आखरि रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता बनी रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगा रहता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। सरकारी बाधा दूर लाभ की स्थिति बढ़ेगी। व्यापार-व्यवसाय नौकरियाँ रहना। परिवार और दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आखरि बनी रहेगी।

मिथुन: आज सरकारी सहायता मिलेगी। सरकारी में सहायक सामग्री होगी। छात्रवृत्ति से सहायता संभव। घर में सुख-शांति बचे। बिजनेस कॉन्ट्रैक्ट हो सकता है। लाभ के हाथ का अवसर मिलेगा। बेंगलुरु से सहायता संभव।

कर्क: आज पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में शब्दों के प्रयोग से समझाया। किसी भी व्यक्ति विशेष से चयन किया जा सकता है। रूमेन को इस स्थान तक पहुँचाया जा सकता है। दौड़धूप रहेगी। नकारात्मकता हावी रहेगी। सामाजिक कार्य करने में मन लगा रहता है।

सिंह: आज आनंद के साथ समय सीमा होगी। मनपसंद गेमप्ले का फायदा मिलेगा। असफ़ल सफल कार्यकर्ता। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। किसी व्यक्ति से बहस हो सकती है। आपदा-कुशंका से बाधा होगी।

कन्या: आज योजना फलीभूत होगी। रिश्ते में बदलाव हो सकता है। बिजनेस मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से होगा फायदा। आय में वृद्धि होगी। स्वस्थ्यता का ध्यान रखें।

तुला: आज संत पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई नेट प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा। ऑफिस से काम की अनुमति ले सकते हैं। नए निगम की शुरुआत एसोसिएटेड योजना से होगी। समय की अनुकूलता है।

वृश्चिक: आज फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। अजीबोगरीब मजाक करने से बचाव। काम में देरी होगी। लाभ की बातें पर ध्यान न दें। अपने काम से काम रखें। लाभ के अवसर मिलेंगे। विवेक का प्रयोग करें। आय में वृद्धि होगी।

धनु: आज बेरोजगारी दूर करने का प्रयास सफल रहेगा। काल्पनिक व उपहारों की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेंगे। शेयर बाजार और म्यूच्यूअल फंड से मनोनुकुल लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई बड़ा होने वाला काम से आशीर्वाद रहेगा।

मकर: आज उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्चा होगा। स्वास्थ्य खराब रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा। जोखिम का साहस कर उठेगा। प्रशिक्षक की सहायता आवश्यक। बिज़नेस से लाभ होगा। नौकरी में नौकरानी बने रहें। दुकान न करें।

कुंभ: आज सामाजिक कार्य करने का मन बेकार है। मान- सम्मान संभव। मेहनत का फल निश्चित। बिज़नेस में वृद्धि के योग हैं। जोखिम का साहस कर उठेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी सहकारी संस्था। शत्रु और तृष्णालु भाषा से सावधानी आवश्यक है।

मीन: आज वाणी में शब्दों के प्रयोग से समझाया गया। मेहनत ज़्यादा होगी। लाभ में कमी रह सकती है। अनमोल वस्तुएँ संग्रहीत। व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल अन्य। आई बनी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया निरंतर, सावधानी रखें। बुरी खबर मिल सकती है।

मोक्ष प्रदाता, संपूर्ण चराचर जगत के नाथ: काशी विश्वनाथ

अंजनी सक्सेना

काशी विश्वनाथ की महिमा अपरंपार है। उनकी महिमा का वर्णन करना तो सूरज को दिया दिखाने के समान है। काशी जहाँ के कण-कण में शिव विराजमान है वहाँ के काशी विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग की महिमा भी शब्दों से परे हैं। काशी को मुक्ति का मार्ग माना गया है। हर सनातनी मनुष्य अपने जीवन काल में कम से कम एक बार तो गंगा स्नान और काशी विश्वनाथ के दर्शन अवश्य करना चाहता है। काशी को भगवान शंकर की बसायी गयी नगरी माना जाता है। काशी न केवल धार्मिक नगरी है बल्कि भगवान शंकर एवं माता पार्वती के आपसी सम्मान, स्नेह एवं अटूट बंधन की प्रतीक स्थली भी है जहाँ भगवान शंकर, माता पार्वती की भावनाओं का आदर करते हुए स्वयं उनके साथ यहाँ ज्योर्तिलिंग स्वरूप में स्थापित हो गए।

काशी नगरी जहां घर-घर में शिवालय है, जगह-जगह भगवान शंकर के शिवलिंग हैं, वहाँ का कण-कण शिव भक्ति से ओतप्रोत है। यहाँ की सुबह गंगा मैय्या के जयकारे से आरंभ होती है तो अनगिनत शिवालयों के हर-हर महादेव और जय विश्वनाथ के उद्घोष से सारे दिन और रातें गुंजायमान रहती हैं। ऐसे काशी विश्वनाथ की महिमा अनुपम, अनोखी और न्यारी ही है। पुराणों के अनुसार द्वादश ज्योतिर्लिंगों में सातवें क्रम के काशी विश्वेशर ज्योतिर्लिंग की उत्पत्ति सबसे पहले हुई है। मान्यता है कि इसी स्थान पर ब्रह्मा, विष्णु और भगवान शंकर के मध्य अपनी अपनी श्रेष्ठता के लिए वार्तालाप हुआ तब यहीं एक विशालकाय ज्योति पुंज के रूप में भगवान शंकर प्रकट हुए और निर्णय हुआ कि जो भी इस ज्योति पुंज की उत्पत्ति (आरंभ) और अंत का पता लगा लेगा वही सर्वश्रेष्ठ होगा। तब ब्रह्मा जी हंस का रूप धारण करके स्वर्ग में इस ज्योतिस्तंभ के शीर्ष (ऊपरी भाग) का पता लगाने गए और भगवान विष्णु इस ज्योति पुंज के आधार का पता लगाने वराह रूप धारण करके पाताल की ओर गए। ब्रह्मा और विष्णु दोनों ही इस ज्योतिपुंज के आरंभ और अंत की खोज नहीं कर पाए। विष्णु जी ने इसे स्वीकार कर लिया कि वे इस ज्योति पुंज के मूल को नहीं खोज पाए, लेकिन ब्रह्मा जी ने पाँच साक्षियों के साथ इस स्तंभ के शीर्ष को देखने की बात कही। इस पर रुष्ट होकर भगवान शंकर ने ब्रह्मा जी को श्राप दिया कि अब वे इस पृथ्वी पर पूजे नहीं जाएंगें। यहीं पर भगवान विष्णु को सत्य बोलने के कारण सदैव पूजनीय रहने का सम्मान मिला। तभी से देवाधिदेव महादेव इस संपूर्ण चराचर जगत के नाथ के रुप में ज्योतिर्लिंग स्वरूप में यहां प्रतिष्ठित हैं।

स्कंद पुराण में काशी विश्वनाथ की महिमा में एक पूरा काशीखंड है। ब्रह्मवैवर्त पुराण के काशी रहस्य खंड़ एवं श्री शिवमहापुराण के कोटिरुद्रसंहिता अध्याय में भी काशी विश्वनाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन है। इनके अलावा ऋग्वेद, रामायण एवं महाभारत में भी काशी विश्वनाथ के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है। पौराणिक कथाओं में यह भी वर्णन है कि माता पार्वती एवं भगवान शंकर का विवाह कैलाश पर्वत पर हुआ था। माता पार्वती कैलाश पर नहीं रहना चाहती थी इसलिए वे अपने पिता के घर रहने लगी। वहाँ भगवान शंकर उनसे मिलने आते रहते थे। विवाहिता माता पार्वती को अपने पिता के यहां रहना उचित प्रतीत नहीं होता था। इसलिए उन्होंने महादेव जी कहीं अन्यत्र बसने का आग्रह किया। तब माता पार्वती की भावनाओं का आदर एवं सम्मान करते हुए भगवान शंकर ने काशी नगरी में रहने का निर्णय लिया और संपूर्व विश्व के नाथ बनकर काशी नगरी में माता पार्वती के साथ निवास करने लगे। अनेक धार्मिक मान्यताओं, धर्मग्रंथों एवं स्कंद पुराण आदि ग्रंथों के अनुसार भगवान शिव की यह नगरी उनके त्रिशूल पर बसी हुई है और जब प्रलयकाल में संपूर्ण पृथ्वी का नाश होगा तब यही एक नगरी शेष बचेगी और पुनः सृष्टि का प्रारंभ यहीं से होगा। काशी के बाबा विश्वनाथ को विश्वेश्वर महादेव के नाम से भी पुकारा जाता है जिसका अर्थ ही संपूर्ण विश्व के नाथ,

स्वामी या शासक है। इस प्रकार काशी विश्वनाथ संपूर्ण जगत, संपूर्ण ब्रह्मांड के स्वामी हैं। काशी नगरी में उनकी आराधना एवं स्मरण मात्र करने से मनुष्य जन्म जन्मांतरों के दुखों एवं पाप कर्मों से मुक्त होकर मोक्ष को प्राप्त करता है।

विधान भवन में झड़प के बाद बड़ा फैसला: सत्र के दौरान आगंतुकों की एंट्री पर रोक, आचार समिति के गठन की घोषणा

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र विधान भवन परिसर में गुरुवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक जितेंद्र आव्हाड और भाजपा विधायक गोपीचंद पडल कर के समर्थकों के बीच हुई झड़प के बाद विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सख्त कदम उठाते हुए सत्र के दौरान आगंतुकों की विधान भवन में एंट्री पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दी है। अब केवल मंत्री, विधायक, उनके आधिकारिक रूप से नामित निजी सचिव और सरकारी अधिकारी ही विधानमंडल परिसर में प्रवेश कर सकेंगे।

यह निर्णय गुरुवार शाम ५.४५ बजे विधान भवन के ग्राउंड फ्लोर पर हुई तीखी झड़प के बाद लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने विधान भवन के मुख्य सुरक्षा अधिकारी से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। विधानसभा में इस निर्णय की घोषणा करते हुए अध्यक्ष नार्वेकर ने बताया कि सत्र के दौरान किसी भी मंत्री को परिसर में आगंतुकों से मिलने या कोई बैठक करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सभी मंत्री अब अपनी आधिकारिक बैठकें और ब्रीफिंग्स मंत्रालय या राज्य सचिवालय में ही करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि विधायकों के साथ आने वाले किसी भी व्यक्ति के अनुचित आचरण के लिए संबंधित विधायक को ही जिम्मेदार ठहराया जाएगा। साथ ही, उन्होंने यह भी घोषणा की कि एक सप्ताह के भीतर एक आचार समिति गठित की जाएगी, जो विधायकों के आचरण से संबंधित मामलों की जांच कर उन्हें अयोग्य ठहराने तक की सिफारिश करने में सक्षम होगी।

सहस्रकुंड बहुउद्देशीय परियोजना को मिलेगी संशोधित प्रशासनिक मंजूरी: राधाकृष्ण विखे-पाटिल

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में शुक्रवार को जल संसाधन मंत्री (गोदावरी एवं कृष्णा बेसिन विकास निगम) राधाकृष्ण विखे-पाटिल ने घोषणा की कि सहस्रकुंड बहुउद्देशीय परियोजना को तकनीकी सलाहकार समिति की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद संशोधित प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की जाएगी। यह बयान विधानसभा सदस्य किसन वानखेड़े द्वारा प्रस्तुत एक सुझाव के उत्तर में आया, जिसमें उन्होंने परियोजना की अद्यतन स्थिति पर जानकारी मांगी थी। मंत्री विखे-पाटिल ने बताया कि परियोजना के पहले सर्वेक्षण में जहां १४ गाँव जलमग्न होने की आशंका जताई गई थी, वहीं इससे ९,००० हेक्टेयर भूमि की सिंचाई की क्षमता सृजित होनी थी।

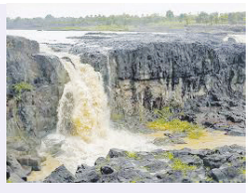

लेकिन हालिया संशोधित सर्वेक्षण के अनुसार, एक और गाँव डूब क्षेत्र में आ गया है, जबकि सिंचाई क्षमता अब बढ़कर ३२,००० हेक्टेयर हो गई है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्रीय कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, और राज्य सरकार इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। संशोधित आंकड़ों और तकनीकी मंजूरी के बाद इसके लिए प्रशासनिक स्वीकृति दी जाएगी, जिससे परियोजना के क्रियान्वयन की दिशा में तेज़ी लाई जा सकेगी।

शिर्डी और पुरंदर हवाई अड्डों को मिलेगा विस्तार, कुंभ मेले से पहले शिर्डी एयरपोर्ट का होगा नवीनीकरण: मुख्यमंत्री फडणवीस

संवाददाता

मुंबई। आगामी नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेले को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिर्डी हवाई अड्डे को पूरी क्षमता से सक्रिय करने के लिए इसके नवीनीकरण और विस्तार कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। विधान भवन में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने शिर्डी और पुरंदर हवाई अड्डों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिर्डी एयरपोर्ट मुंबई और नवी मुंबई के हवाई अड्डों के लिए वैकल्पिक विकल्प बन सकता है, और इसलिए इसके बुनियादी ढांचे को समय पर मजबूत किया जाना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में उपमुख्यमंत्री अजित पवार, जलसंपदा मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील, परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय सेठी, एमआईडीसी के सीईओ पी. वेलरासू, पुणे के विभागीय आयुक्त डॉ. चंद्रकांत पुलकुंडवार, अहमदनगर के जिलाधिकारी डॉ. पंकज आशिया, महाराष्ट्र हवाई अड्डा विकास प्राधिकरण **(MADC)** की एमडी स्वाति पांडे और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिर्डी हवाई अड्डे पर प्रस्तावित नई एटीसी बिल्डिंग, एकीकृत मालवाहन केंद्र और नया टर्मिनल भवन जैसे कार्य कुंभ मेले से पहले हर हाल में पूर्ण किए जाएं। इसके लिए मानव संसाधन बढ़ाने सहित सभी आवश्यक उपाय किए जाएं। उन्होंने स्ट्रक्चरल डिज़ाइन और संबंधित खरीद प्रक्रिया को एक सप्ताह के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी बल दिया कि शिर्डी एयरपोर्ट की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए यह छोटे विमानों की पार्किंग के लिए एक उपयुक्त स्थल बन सकता है। इसके लिए यदि आवश्यक हो तो अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण भी किया जाए। वहीं, पुरंदर हवाई अड्डे को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वेक्षण कार्य पूर्ण हो चुका है, अब भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए ताकि निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ किया जा सके। इस हवाई अड्डे से राज्य में हवाई कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने निर्देश दिए कि पुरंदर हवाई अड्डे पर बड़े विमानों की लैंडिंग के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार किया जाए, साथ ही विमान हैंगर की व्यवस्था भी सुनिश्चित हो।

बैठक के दौरान **MADC** की उपाध्यक्ष स्वाति पांडे ने दोनों हवाई अड्डों पर चल रहे कार्यों की प्रस्तुति दी, जबकि सलाहकार और ठेकेदार कंपनियों के प्रतिनिधियों ने तकनीकी विवरण साझा किए। सरकार की इस सक्रियता से स्पष्ट है कि महाराष्ट्र आने वाले वर्षों में अपने हवाई बुनियादी ढांचे को आधुनिक और व्यावसायिक दृष्टि से सक्षम बनाकर पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को नई ऊंचाई देने की दिशा में गंभीरता से अग्रसर है।

74 वर्षीय सेवानिवृत्त इंजीनियर से 60 लाख की साइबर ठगी, गुजरात से चार आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर ७४ वर्षीय सेवानिवृत्त ओएनजीसी कर्मचारी को ६०.२६ लाख रुपए की साइबर ठगी का शिकार बनाया गया। डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन की साइबर सेल ने इस जालसाज़ी का पर्दाफाश करते हुए गुजरात के सूरत और गिर सोमनाथ जिलों से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को अप्रैल २०२४ में एक व्हाट्सएप मैसेज के ज़रिए अनजान लोगों ने संपर्क किया और एक लिंक भेजकर ट्रेडिंग एप पर रजिस्टर करने के लिए प्रेरित किया। आरोपियों ने उसे शेयर बाजार में निवेश के बदले भारी लाभ का लालच दिया। झाँसे में आए वरिष्ठ नागरिक ने २९ अप्रैल से शुरू होकर कई किश्तों में ६०.२६ लाख रुपए की राशि विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी। लेकिन तय लाभ तो मिला नहीं, बल्कि संपर्क भी कट गया। ठगे जाने का एहसास होने पर पीड़ित ने डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस की साइबर टीम ने बैंकिंग लेन-देन और कॉल डेटा रिकॉर्ड का तकनीकी विश्लेषण शुरू किया। जांच में पाया गया कि ६०.२६ लाख रुपए में से १८.२४ लाख रुपए तुरंत अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिए गए थे। पुलिस ने जाल बिछाकर गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के वेरावल और गिरगाधड़ा तथा सूरत शहर के पर्वत पाटिया और कतारगाम से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों में जावेदभाई मोहम्मदभाई सुमारा (४०), जिग्नेश मोहनभाई कलसारिया (२७), महादेव जसुभाई गेढिया (३०) और रवि रामजीभाई आधिया (३६) शामिल हैं। ये सभी आरोपी पेशेवर साइबर जालसाज हैं, जो अलग-अलग फर्जी खातों और मोबाइल नंबरों के ज़रिए निवेश के नाम पर लोगों को ठगते थे। पुलिस ने चारों आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहाँ उन्हें १७ जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा ३१८(४) और ३१९(२), तथा आईटी अधिनियम की धारा ६६(सी) और ६६(डी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के बाद गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी की राशि की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। इस मामले से यह स्पष्ट है कि साइबर अपराधी अब वरिष्ठ नागरिकों को भी सुनियोजित तरीके से अपना निशाना बना रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान लिंक, कॉल या निवेश के झांसे में न आएं और सतर्क रहें।

मुंबई एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आए यात्री के बैग से 1.45 करोड़ का गांजा बरामद

संवाददाता

मुंबई। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मादक पदार्थों की तस्करी के एक मामले में कस्टम्स विभाग ने बैंकॉक से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान साबित ममुहाजी के रूप में हुई है, जिसे उसके ट्रॉली बैग से १,४५२ ग्राम गांजा बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया। जब्त किए गए छह पैकेटों में छिपा यह प्रतिबंधित पदार्थ अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब १.४५ करोड़ रुपये मूल्य का बताया गया है। मुंबई कस्टम्स अधिकारियों को एक विशेष खुफिया सूचना मिली थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। जब ममुहाजी के बैग की जांच की गई तो उसमें बड़ी चालाकी से छिपाकर रखे गए गांजे के पैकेट मिले। इसके बाद तुरंत उसे हिरासत में लेकर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (**NDPS**) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह इस तस्करी रैकेट से किस स्तर तक जुड़ा हुआ है।

MLA संजय गायकवाड़ की आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ तुलुनाडु/शेट्टी समुदाय की अपील सार्वजनिक माफी और कड़ी कार्रवाई की मांग

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के बुलढाणा से विधायक संजय गायकवाड़ की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी और व्यवहार को लेकर तुलुनाडु/शेट्टी समुदाय के प्रमुख सदस्यों ने विरोध जताया है। यरमल हरीश शेट्टी और दिनेश गणेश हेगड़े ने गायकवाड़ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और सार्वजनिक माफी की की है। बताया जा रहा है कि विधायक संजय गायकवाड़ ने एक कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार किया और तुलुनाडु/शेट्टी समुदाय को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियाँ कीं। इस घटना से समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। यरमल हरीश शेट्टी और दिनेश हेगड़े ने इस कृत्य को 'पूर्णतः झूठा और अपमानजनक' बताते हुए इसे सामुदायिक गरिमा के खिलाफ बताया।उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल अपमानजनक है, बल्कि इससे एक खतरनाक परंपरा की शुरुआत हो सकती है जिसमें किसी भी समुदाय को अपमान सहना पड़े। उन्होंने लोकतंत्र की गरिमा की रक्षा के लिए जनप्रतिनिधियों को उनके कृत्य के लिए जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता जताई। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे से अपील की है कि विधायक संजय गायकवाड़ से सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई जाए और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

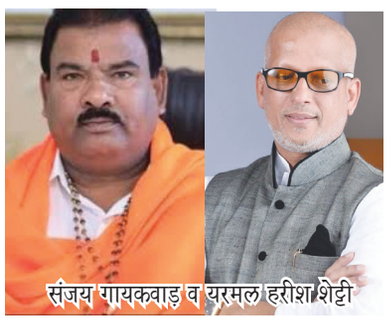
संजय गायकवाड़ व यरमल हरीश शेट्टी

साथ ही, समुदाय के नेताओं ने सभी नागरिकों से इस याचिका पर हस्ताक्षर कर सामूहिक नागरिक सक्रियता **(Citizen Activism)** के माध्यम से आवाज उठाने की अपील की है, जिससे भविष्य में किसी भी समुदाय या व्यक्ति को इस प्रकार की अपमानजनक स्थिति का सामना न करना पड़े। दिनेश गणेश हेगड़े और यरमल हरीश शेट्टी ने कहा कि हम 'तुलुनाडु सृष्टि के महान वंशज हैं – मूक दर्शक नहीं', और हम अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए अंत तक संघर्ष करेंगे।

मुंबई एयरपोर्ट और फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी, सीबीडी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया

संवाददाता

नवी मुंबई। सीबीडी बेलापुर पुलिस ने गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मचा देने वाली घटना में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जब उसने मुंबई से अहमदाबाद जाने वाली एक उड़ान और छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी दी। धमकी भरे कॉल्स लगातार नवी मुंबई पुलिस आयुक्त और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के रीडर कार्यालयों को किए गए, जिससे पुलिस महकमे में खलबली मच गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार,सुबह १४ से १५ कॉल अलग-अलग मोबाइल नंबरों से आए, जिनमें पहली कॉल में अहमदाबाद जाने वाली एक उड़ान में बम होने का दावा किया गया। इसके तुरंत बाद, दूसरी कॉल में मुंबई हवाई अड्डे पर बम विस्फोट की धमकी दी गई। कॉल करने वाले ने बार-बार यही बातें दोहराईं, जिससे अधिकारियों को मामला गंभीर लगा और उन्होंने तुरंत हरकत में आते हुए सतर्कता के उपाय शुरू कर दिए। प्रारंभिक जांच से यह स्पष्ट हुआ है कि कॉल करने का उद्देश्य सार्वजनिक भय और अफरातफरी फैलाना था। पुलिस ने तत्काल विमानन सुरक्षा एजेंसियों और एयरपोर्ट अथॉरिटी को सूचना देकर एहतियात के तौर पर सुरक्षा उपायों को कड़ा किया। हालांकि अभी तक किसी भी संदिग्ध वस्तु की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत फ्लाइट और एयरपोर्ट की जांच की जा रही है। सीबीडी पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है और मोबाइल नंबरों की ट्रेसिंग की जा रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 'इस तरह की फर्जी धमकियाँ गंभीर अपराध की श्रेणी में आती हैं और इसके पीछे जो भी व्यक्ति है, उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।' पुलिस की साइबर सेल भी इस मामले में तकनीकी मदद से आरोपी की पहचान करने में जुटी है।

पति से शारीरिक संबंध से इनकार और शक करना 'क्रूरता' बॉम्बे हाईकोर्ट ने महिला की तलाक रद्द करने की याचिका खारिज की

संवाददाता

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महिला की उस याचिका को गुरुवार को खारिज कर दिया जिसमें उसने पारिवारिक अदालत द्वारा दिए गए तलाक के फैसले को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने कहा कि पति से शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना, उस पर विवाहेतर संबंध का संदेह करना और उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित करना 'क्रूरता' की श्रेणी में आता है, जो तलाक का वैध आधार है।

यह मामला पुणे के एक दंपति से जुड़ा है, जिनकी शादी २०१३ में हुई थी, लेकिन मात्र एक साल के भीतर, दिसंबर २०१४ से ही वे अलग रह रहे हैं। पति ने २०१५ में पुणे की पारिवारिक अदालत में 'क्रूरता' के आधार पर तलाक की अर्जी दी थी, जिसे मंजूर कर लिया गया। इसके खिलाफ महिला ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें न केवल तलाक के फैसले को चुनौती दी गई थी, बल्कि पति से १ लाख मासिक गुजारा भत्ता देने की भी मांग की गई थी। याचिका में महिला ने दावा किया कि वह अब भी अपने पति से प्रेम करती है और यह विवाह बनाए रखना चाहती है। साथ ही, उसने अपने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना के आरोप भी लगाए। लेकिन कोर्ट ने पाया कि महिला के आचरण में पति के प्रति गंभीर मानसिक उत्पीड़न के संकेत हैं। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा, 'पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना, उस पर बार-बार अवैध संबंधों का आरोप लगाना, उसे उसके मित्रों, कर्मचारियों और परिजनों के सामने नीचा दिखाना। यह सब क्रूरता का परिचायक है। कोर्ट ने यह भी ध्यान में लिया कि महिला ने पति की

विशेष रूप से सक्षम बहन के प्रति भी असंवेदनशील और उदासीन व्यवहार किया, जिससे पति और उसके परिवार को मानसिक कष्ट पहुंचा। अदालत ने कहा कि इस तरह के व्यवहार से दांपत्य जीवन में असहनीय तनाव उत्पन्न हुआ और अब दोनों के बीच संबंधों के सुधार की कोई संभावना नहीं बची है। अंततः, हाईकोर्ट ने यह कहते हुए महिला की याचिका खारिज कर दी कि इस विवाह का आधार पूरी तरह से टूट चुका है और यह 'अवसान की स्थिति' में है। कोर्ट के इस फैसले से यह स्पष्ट होता है कि दांपत्य जीवन में आपसी सम्मान, विश्वास और सहयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, और यदि इनमें से किसी एक की भी अनुपस्थिति से एक पक्ष को मानसिक प्रताड़ना होती है, तो उसे तलाक का उचित आधार माना जा सकता है।

यरवदा जेल से फरार उम्रकैद का कैदी उल्हासनगर में मोटरसाइकिल चोरी के मामले में गिरफ्तार

संवाददाता

उल्हासनगर। एक साधारण मोटरसाइकिल चोरी के मामले ने तब गंभीर मोड़ ले लिया, जब ठाणे पुलिस ने गुरुवार रात गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान पुणे की यरवदा जेल से फरार एक उम्रकैद के कैदी के रूप में की। गिरफ्तार व्यक्ति अनिल मेघदास पटेनिया है, जो पहले टिटवाला पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के एक मामले में दोषी ठहराया गया था और यरवदा सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। वह हाल ही में जेल की एक खुली इकाई से फरार हो गया था। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के अनुसार, पुलिस को खेमानी इलाके में चोरी हुई एक एक्टिवा स्कूटर के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर रात करीब १ बजे एक टीम ने जाल बिछाया और संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अनिल पटेनिया बताया और कहा कि वह उल्हासनगर के पास म्हारा गांव का निवासी है। जब पुलिस ने उसकी पृष्ठभूमि की गहराई से जांच की, तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपी वही व्यक्ति है जो यरवदा जेल से फरार हुआ था और हत्या जैसे गंभीर अपराध में सजा काट रहा था। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत पुणे के यरवदा पुलिस स्टेशन से संपर्क कर पुष्टि

की और उसके फरार होने की जानकारी को सत्यापित किया। फिलहाल, आरोपी को १८ जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

गिरफ्तारी डीसीपी सचिन गोरे और एसीपी अमोल कोली के मार्गदर्शन में की गई, जबकि अभियान का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विष्णु तम्हाणे और अपराध शाखा निरीक्षक अंकुश म्हस्के ने किया। यह गिरफ्तारी पुलिस की सतर्कता और स्थानीय खुफिया तंत्र की तत्परता का उदाहरण है, जिसने एक फरार और खतरनाक अपराधी को फिर से सलाखों के पीछे पहुँचाया।

ED arrests former Chhattisgarh CM Bhupesh Baghel's son Chaitanya in money laundering case

Bhilai, Chhattisgarh: Chaitanya Baghel, the son of senior Congress leader and former Chief Minister Bhupesh Baghel, has been arrested by the Enforcement Directorate (ED) in connection with an alleged money laundering case linked to a liquor scam.

This marks the second ED raid on the Baghel family residence in Bhilai this year. The arrest has sparked political tension, with Bhupesh Baghel criticising the move as a "birthday gift" orchestrated by PM Modi and Home Minister Amit Shah for his son.

Ex-CM slams Centre over timing

Bhupesh Baghel claimed the raid was politically motivated and aimed at preventing him from speaking out against the large-scale felling of trees for a coal mining project by the Adani Group in Tamnar tehsil, located in the Raigarh district.

Speaking to ANI, Bhupesh Baghel said, "Congress is fighting against Adani. This strategy has been adopted to muzzle the Opposition. They are now targeting my son, so that no one can raise their voice against Adani. We will not get scared or bow down. Today, my son has been arrested on his birthday. Last year on my birthday, my advisor was targeted."

In the wake of Chaitanya's arrest, all the Congress MLAs, including Bhupesh Baghel, boycotted the Chhattisgarh Assembly proceedings this morning (Friday). Charan Das Mahant, Leader of Opposition in Chhattisgarh Assembly, said, "The ED is exerting pressure to harass the Baghel family and others. They have arrested Chaitanya. We strongly oppose this and are boycotting the proceedings."

As the Congress MLAs walked out of the Assembly, they raised slogans, including: "Ek pedh Maa ke naam, baki sab Baap ke naam" (One tree in the mother's name, the rest in the father's name).

Meanwhile, reports quoted official sources confirming that more searches were being carried out by the ED at Bhupesh Baghel's residence as part of their ongoing probe into the alleged scam involving his son.

Class XII students in drunken frenzy, brutally assault teacher for reporting them

Sivakasi: A government school teacher in Tiruthangal near Sivakasi, Virudhunagar district, was brutally attacked by his own students after he questioned them for returning to school intoxicated. The incident has sent shockwaves through the education community, raising concerns about student discipline and the safety of teachers. Shanmugasundaram (47), a political science teacher at a government higher secondary school, noticed four Class 12 students returning late after lunch, staggering and smelling of alcohol. Known for his strict yet caring approach, he questioned their behaviour and warned them that he would report the matter to the principal. Enraged by his intervention, the students—reportedly in a drunken stupor—suddenly attacked him with a liquor bottle. Eyewitnesses say the students struck Shanmugasundaram on

the head, causing the bottle to shatter and leaving him bleeding profusely from his head and wrists. The assailants then fled the scene but were later apprehended by the police. Two of the students were arrested and sent to a juvenile reform home, while cases have been registered against the others. The injured teacher was rushed to a nearby hospital, where he is undergoing treatment for serious injuries. Fellow teachers and school authorities expressed shock over the incident, condemning the students' behaviour and calling for stricter measures to prevent such occurrences in the future.

'Bengal can be top industrial state under BJP': PM Modi in Durgapur

New Delhi: During a recent rally in Durgapur, West Bengal, Prime Minister Narendra Modi asserted that the states potential can be unlocked under BJP governance.

At a massive public rally in Durgapur, West Bengal, Prime Minister Narendra Modi outlined a vision for the state's economic transformation under BJP leadership. His address, a key moment in the BJP's election campaign, focused on the stark contrast between the BJP's governance model and that of the incumbent Trinamool Congress (TMC). Modi promised that a BJP government in West Bengal would usher in an era of unprecedented industrial growth, positioning the state as a leading industrial hub in India. This pledge was underpinned by his criticism of the TMC's alleged misgovernance, accusing the party of actively hindering the progress of central government schemes designed to benefit the poor and improve infrastructure. He specifically highlighted the negative impact of the alleged "syndicate raj" and extortion prevalent in the state, claiming it discourages investment and stifles economic growth.

To substantiate his claims, Modi pointed to the economic progress witnessed in BJP-governed states like Assam, Tripura, and Odisha. He described the positive trajectory of these states as evidence of the BJP's commitment to good governance and sustainable development. He cited examples of improved infrastructure, increased investment, and job creation in these states as models for what he envisions for West Bengal. The Prime Minister directly addressed concerns about investment and employment, arguing that the current atmosphere of uncertainty and insecurity under the TMC government is a major deterrent to potential investors. He emphasised the need for a government that prioritises the rule of law, protects the livelihoods of its citizens, and fosters a climate of trust and stability necessary to attract foreign and domestic investment. Modi appealed to the people of West Bengal to give the BJP a chance, promising a government committed to honesty, hard work, and strong leadership capable of realising the state's enormous potential. The rally underscored the BJP's determination to win the upcoming elections and implement its vision for West Bengal's future.

Police won't hesitate take action against Kharge, Rahul if their words instigated encroachers: CM

New Delhi: Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma has said police will "not hesitate" to take action against Congress leaders Mallikarjun Kharge and Rahul Gandhi if it finds that their speeches had instigated encroachers to attack security forces in Paikan Reserve Forest on Thursday.

Sarma also maintained that the opposition party was preparing to fight next year's state polls with a single-point agenda of putting him behind bars.

Talking to reporters after attending a party meeting late on Thursday evening, Sarma said, "Kharge and Gandhi visiting Assam is not the question. But in their meeting, they openly encouraged the encroachers and land jihadis to encroach government land."

Congress president Kharge and Leader of Opposition in Lok Sabha Gandhi had visited the state on Wednesday, during which they had held a closed-door discussion with top state party functionaries here and later addressed party workers at Chaygaon, 40 km from Guwahati.

The chief minister claimed that the speeches by the two leaders had "encouraged and emboldened" encroachers, who allegedly attacked security forces in Paikan Reserve Forest in Goalpara on Thursday morning and in clashes that followed, one civilian was killed and 20 others, including policemen, injured.Referring to Kharge's statement that Congress will rehabilitate the evicted people in the state, Sarma said, "Because of these kinds of speeches, people get encouraged and those evicted people started throwing stones and beating police with sticks and various other weapons (at Paikan)."

He said police have registered a case already, and they will see whether these statements were directly or indirectly responsible for the incident.

"Police will go through the speeches made by Gandhi and Kharge. And if we see that there are elements which invite penal action, police will not hesitate to take action against them," Sarma, who also holds the Home department, asserted. On Gandhi claiming that Sarma will be put in jail for corruption by the people, the BJP leader said, "The big question is whether Rahul Gandhi will be in jail and when. ED has seized many property of Robert Vadra today (Thursday). There are many jails in India waiting for the Gandhis."

"You see, he is just an MP today. How can he arrest a chief minister?" Sarma said, adding that even Congress members do not give importance to what Gandhi says."Congress will contest the 2026 Assam election on only one agenda that Himanta Biswa Sarma will be put behind bars. Who will vote for a party whose manifesto will be of only that one line?" Sarma claimed.

अमेरिकेचे राष्ट्राध्यक्ष डोनाल्ड ट्रम्प यांना या गंभीर आजाराने ग्रासले? व्हाईट हाऊसने काय म्हटले?

नई दिल्ली: अमेरिकेचे राष्ट्राध्यक्ष डोनाल्ड ट्रम्प यांना क्रॉनिक व्हेनस इनसफीशियन्सी असल्याचे निदान झाले आहे. हा आजार नसांशी संबंधित असून वृद्धांमध्ये सामान्य आहे. या आजारामुळे नसांमध्ये रक्त साचते, असे व्हाईट हाऊसने सांगितले. डोनाल्ड ट्रम्प यांना पायांमध्ये सूज आल्याचे लक्षात येताच त्यांची वैद्यकीय तपासणी करण्यात आली. त्यावेळी त्यांना या आजाराचे निदान झाले. त्यांना नियमित वैद्यकीय काळजी आणि भरपूर सावधगिरी बाळगण्याची आवश्यकता असल्याचे व्हाईट हाऊस मेडिकल युनिटने सांगितले आहे.

क्रॉनिक व्हेनस इंसफिशिएन्सी असलेल्या रुग्णांच्या पायांच्या नसा रक्त परत हृदयात योग्यरित्या वाहून नेऊ शकत नाही. रक्तवाहिन्यांमध्ये असणारे लहान व्हॉल खराब झाल्यास रक्त हृदयाकडे जाण्याऐवजी परत खाली वाहून पायांमध्ये जमा होऊ शकते. पत्रकार परिषदेत यूएस प्रेस सेक्रेटरी कॅरोलिन लेविट यांनी ट्रम्प

यांच्या हाताच्या मागील बाजूस जखमांविषयीदेखील सांगितले. ही सॉफ्ट टिश्यूंची समस्या असल्याचे त्यांनी म्हटले. ही समस्या ॲस्पिरिन घेतल्याने आणि लोकांशी वारंवार हस्तांदोलन केल्याने उद्भवत असल्याचे त्या पुढे म्हणाल्या. त्यांनी पुढे माहिती दिली की, डोनाल्ड ट्रम्प हृदयविकाराचा झटका आणि स्ट्रोकचा धोका कमी करण्यासाठी ॲस्पिरिन घेतात. निदानानंतर व्हाईट हाउसने जारी केलेल्या निवेदनात असेही म्हटले आहे की, राष्ट्राध्यक्षांच्या अलीकडील फोटोंमध्ये त्यांच्या हाताच्या मागील बाजूस किरकोळ जखम दिसून आली आहे. हा वारंवार हस्तांदोलन आणि ॲस्पिरिनच्या वापरा सौम्य दुष्परिणाम आहे, जो सामान्य आहे, असे त्यात सांगण्यात आले. व्हाईट हाऊसने माहिती दिली की, इतर चाचण्यांमध्ये ट्रम्प यांना हृदयविकार, मूत्रपिंड निकामी होणे किंवा यासंबंधित आजाराची कोणतीही लक्षणे आढळली नाहीत. लेविट यांनी पत्रकारांना सांगितले, राष्ट्राध्यक्षांची तब्येत उत्तम आहे, जी तुम्ही सर्वजण दररोज पाहत आहात असे मला वाटते. पत्रकार परिषदेदरम्यान, त्यांनी स्पष्ट केले की ट्रम्प यांच्या वैद्यकीय तपासणीची माहिती उघड करण्याचा उद्देश राष्ट्राध्यक्षांच्या प्रकृतीबद्दलच्या अलिकडच्या अटकळींना पूर्णविराम देणे आहे. एप्रिलमध्ये, ट्रम्प यांनी अनेक वैद्यकीय तज्ज्ञांकडून शारीरिक तपासणी केली. परंतु, व्हाईट हाऊसने त्यावेळी प्रसिद्ध केलेल्या तीन पानांच्या अहवालात या आजाराविषयी कोणतीही माहिती दिली नव्हती.

सुंदर होती मुलाची बायको, प्रेमात पडला सासरा.. मुलाला कळताच जे झालं पोलिसही हादरले

नई दिल्ली: आजकाल अनेक विचित्र प्रेमकथा ऐकायला आणि पाहायला मिळत आहेत. उत्तर प्रदेशच्या अलीगढमधील सासू-जावई प्रकरण तुमच्या लक्षात असेलच, जिथे जावई आपल्या होणाऱ्या सासूच्या प्रेमात पडला आणि तिला घेऊन पळाला. असाच एक आश्चर्यकारक प्रकार आग्रामध्येही घडला. येथे एका मध्यमवयीन व्यक्तीने आपल्या मुलाचं लग्न ज्या मुलीशी ठरवलं, त्याच मुलीवर स्वतः प्रेम केलं. सासरा आपल्या सुनेच्या प्रेमात पडला. हा प्रेमाचा आलम इतका वाढला की त्याने आपल्या मुलाचीच हत्या केली. चला, जाणून घेऊया संपूर्ण प्रकरण..

आग्राच्या लडामदा (जगदीशपुरा) गावात यंदा 14 मार्च रोजी होळीच्या दिवशी 26 वर्षीय पुष्पेंद्र चौहान याची घरात हत्या झाली होती. या हत्येचे अनेक वेगवेगळे पैलू समोर येत होते. पण जेव्हा पोस्टमॉर्टम अहवाल समोर आला, तेव्हा सर्वजण अवाक झाले. अहवालात चाकूने हत्या झाल्याची पुष्टी झाली. तपासात असं समोर आलं की ही हत्या दुसऱ्या कोणी नव्हे, तर पुष्पेंद्रच्या वडिलांनीच केली होती. आता आरोपी वडिलांना तुरुंगात पाठवण्यात आलं आहे.

पोलिसांनी सांगितलं की, होळीच्या दिवशी पुष्पेंद्र आणि त्याचे वडील चरण सिंग यांच्यात काही कारणावरून वाद झाला होता. हा वाद इतका वाढला की, संतापात वडिलांनी आपल्या मुलाला लोखंडी रॉडने मारहाण करून ठार केलं. इतकंच नव्हे, तर पोलिसांना गुमराह करण्यासाठी त्यांनी मुलाच्या छातीत झालेल्या जखमेत कारतूस ठेवलं.

पोलिसांनी चार महिने तपास केला. वडील कधी एक विधान करायचे, तर कधी दुसरं. अखेर आता सत्य समोर आलं आहे. सासऱ्याला आपल्या सुनेच्या प्रेमात पडला होता. जेव्हा याची माहिती मुलाला कळली, तेव्हा त्याने वडिलांशी भांडण केलं. यावरून वाद वाढला आणि संतापात वडिलांनी आपल्या मुलाची हत्या केली.

दुबईत मोठ्या पगाराच्या नोकरीचं आमिष दाखवून बलात्कार, आरोपी वाशी पोलिसांच्या ताब्यात

नवी मुंबई: दुबईत मोठ्या पगाराची नोकरी मिळवून देण्याचे आमिष दाखवत एक महिलेवर वारंवार बलात्कार केल्याची घटना समोर आली आहे. सिराज इद्रीस चौधरी या ५५ वर्षीय आरोपीला या प्रकरणी वाशी पोलिसांनी अटक केली आहे. १७ जून रोजी वाशी पोलिसांकडे पीडित महिलेने तक्रार नोंदवली होती. त्यानुसार गुन्हा दाखल करत पोलिसांनी कारवाई करून आरोपीला मुंबईतून अटक केली. आरोपी हा विक्रोळीतील टागोरनगर येथील रहिवासी असल्याची माहिती पोलिसांच्या तपासात उघड झाली आहे. तसंच आरोपीवर मुंबईत वेगवेगळ्या ठिकाणी गुन्हे दाखल असल्याचेही तपासात समोर आले आहे.

मुंबईसारख्या शहरातही नोकरीच्या शोधात असणाऱ्यांसाठी असे आरोपी जाळं टाकून त्यांचा गैरफायदा घेतात. दुबईमध्ये मोठ्या पगाराची नोकरी मिळवून देऊ असे आमिष दाखवून सिराज चौधरी या इसमाने पीडित महिलेला स्वतःच्या जाळ्यात अडकवले. काही दिवसांनी नोकरी मिळेल असं आमिष दाखवत त्याने या पीडित महिलेवर वारंवार अत्याचार केल्याचा प्रकार समोर आला आहे. सिराज चौधरी याने याआधीही अनेक गुन्हे केले आहेत. जूनमध्ये दाखल झालेल्या तक्रारीनंतर या आरोपीला ताब्यात घेत १५ जुलै रोजी वाशी पोलिसांच्या ताब्यात घेण्यात आले. वाशी न्यायालयात आरोपीला हजर केले असता त्याला एक दिवसाची पोलीस कोठडी सुनावण्यात आली. तसंच या प्रकरणाच्या पुढील सुनावणीत १६ जुलै रोजी त्याची रवानगी न्यायालयीन कोठडीत करण्यात आली आहे.

निशिकांत दुबे मुंबईत ये, समुद्रात दुबे दुबे के मारेंगे- राज ठाकरेंचा इशारा

नई दिल्ली: माज घेऊन कोणी अंगावर आला तर त्याला ठेचायचा. भाजपाचा कोणीतरी खासदार दुबे नावाचा. काहीतरी बोलला. झाली का त्याच्यावर केस? हिंदी चॅनलने चालवलं का नाही? तू आम्हाला पटक पटक के मारणार? दुबे- तुम मुंबई में आ जाओ. मुंबई के समुंदर में दुबे दुबे कर मारेंगे असा इशारा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेनेचे अध्यक्ष राज ठाकरे यांनी दिला. मीरा भायंदर इथे झालेल्या सभेत राज यांनी दुबे यांच्या पटक पटक के मारेंगे या वक्तव्याचा समाचार घेतला.

देशाच्या स्वातंत्र्य चळवळीत महाराष्ट्राचे खूप मोठे योगदान आहे. मराठी भाषेप्रमाणे दक्षिणेतील सर्वच भाषांचा आम्ही सन्मान ठेवतो. त्यांचे जसे स्वतःच्या भाषेवर प्रेम आहे. त्याप्रमाणेच बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड आणि राजस्थानच्या लोकांनाही त्यांची भाषा प्रिय आहे. भाषेच्या आधारावर ठाकरे कुटुंबिय जर मारझोड करत असतील तर हे चुकीचे आहे, अशी प्रतिक्रिया निशिकांत दुबे यांनी एएनआय वृत्तसंस्थेशी बोलताना दिली. त्रिभाषा सूत्र आणि इयत्ता

पहिलीपासून हिंदी सक्तीचा विरोध सुरू असताना महाराष्ट्रात मराठी विरुद्ध अमराठी असा वाद निर्माण झाला. मुंबईतील मिरा रोड येथे झालेल्या मारहाणीचे पडसाद देशभरात उमटले. यावरून अनेकांनी आपापली मते व्यक्त केली. भाजपाचे झारखंडमधील खासदार निशिकांत दुबे यांनी थेट ठाकरे बंधूंना आवाहन दिले होते. त्यांच्या विधानानंतर महाराष्ट्रातील सर्वपक्षीय नेत्यांनी नाराजी व्यक्त केली होती. खुद्द मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांनीही राज्याच्या अर्थव्यवस्थेवर दुबे यांनी केलेल्या विधानाबाबत नाराजी व्यक्त करत आपली असहमती व्यक्त केली. निशिकांत दुबे पुढे म्हणाले, महाराष्ट्राचे देशाच्या अर्थव्यवस्थेत खूप मोठे योगदान आहे. याला कुणीही नाकारू शकत नाही. माज्या विधानाचा चुकीचा अर्थ काढला गेला. मुंबई किंवा महाराष्ट्रातून जो कर भरला जातो, त्यात आमच्या लोकांचाही खूप मोठा वाटा आहे. याचा संबंध ठाकरे परिवाराशी नाही. स्टेट बँक ऑफ इंडिया जर कर भरत असेल तर त्याचे कारण त्यांचे मुख्यालय मुंबईत आहे. स्टेट बँक ऑफ इंडियामध्ये देशभरातील नागरिकांचे खाती आहेत. तसेच एलआयसीचे मुख्यालयही मुंबईत आहे.

मराठी भाषेच्या कारणावरून झालेल्या मारहाणीबद्दल बोलताना निशिकांत दुबे म्हणाले, मराठी येत नाही म्हणून गरीबांनाच मारले जाते. मुंबईत मुकेश अंबानी राहतात. ते मराठी कमी बोलतात, तुमच्यात हिंमत असेल तर त्यांच्याकडे जाऊन दाखवा. माहिममध्ये सर्व मुस्लीम आहेत, तिथे जाऊन दाखवा. एसबीआय बँकेचा अध्यक्ष मराठी बोलत नाही, एलआयसीचा अध्यक्षाला मारझोड करून दाखवा.

मराठी-हिंदी भाषा विवाद में कूदीं रेणुका शहाणे

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री हमेशा सुर्खियों में रहती है। इस इंडस्ट्री में कभी फिल्म या शो को लेकर या कभी किसी पर्सनल एंगल को लेकर हमेशा चर्चा रहता ही रहता है। इस समय सिनेमा जगत में भाषा को लेकर विवाद चल रहा है। इस विवाद में सभी स्टार्स अपना बयान दे रहें हैं। मराठी और हिंदी भाषा विवाद को लेकर कई स्टार्स ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। इंडस्ट्री में भाषा को लेकर माहौल बहुत गर्म है। इसी बीच एक्ट्रेस रेणुका शहाणे ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक्ट्रेस का तीखा बयान सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हो रहा है। एक्ट्रेस ने इस बारे में अपनी दिल की बात एकदम खुल कर लोगों के सामने रखी थी। रेणुका बॉलीवुड इंडस्ट्री की दिग्गज कलाकारों में एक हैं। एक्ट्रेस ने कई शानदार फिल्मों में काम किया है। वहीं एक्ट्रेस ने सलमान खान की फिल्म हम आपके हैं कौन में भी नजर आईं थीं। एक्ट्रेस ने इस फिल्म में बहुत सीधी साधी भाभी का किरदार निभाया था। आपको बता दें कि रेणुका शहाणे मराठी हैं। वहीं एक्ट्रेस ज्यादातर मराठी कल्चर में ही नजर आती हैं। वहीं पिछले कुछ दिनों से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में मराठी-हिंदी भाषा विवाद चल रहा है। इस विवाद पर स्टार्स अपने विचार और बयान दे रहें हैं। इस मामले में अब मराठी परिवार से ताल्लुक रखने वाली एक्ट्रेस रेणुका ने भी बयान दिया है। एक्ट्रेस का बयान बहुत ज्यादा वायरल हो रहा है। एक्ट्रेस ने एक पॉडकास्ट में इस मामले में बता चित की हैं।

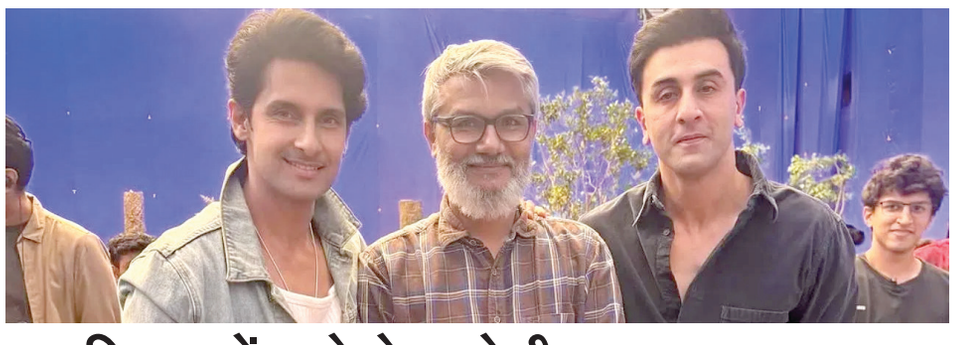

थिएटर में आने से पहले ही छाए राम-लक्ष्मण

इस वक्त कई सारी फिल्में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए लाइन में लगी हुई हैं। इनमें से एक मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म रामायण भी है, जिसे लेकर लोगों में काफी एक्साइटमेंट भी है। ये फिल्म 4000 करोड़ रुपए के बजट पर बन रही है। कुछ दिन पहले ही फिल्म के सभी किरदार के लिए एक्टर्स का नाम सामने आ गया है जिससे लोगों की बेसब्री और बढ़ती जा रही है। इसी बीच फिल्म के सेट से एक अनदेखी तस्वीरें देखने को मिल रही है, जिसमें राम-लक्ष्मण की जोड़ी है। नितेश तिवारी की डायरेक्शन में बन रही ये फिल्म 2 पार्ट में बन रही है, जिसमें साई पल्लवी और रणबीर कपूर भगवान राम और माता सीता का किरदार निभा रहे हैं। वहीं फिल्म में भगवान राम के भाई लक्ष्मण का रोल टीवी के फेमस एक्टर रवि दुबे निभा रहे हैं। हाल ही में रवि दुबे ने फिल्म की सेट से बीटीएस फोटो अपने सोशल मीडिया पर शेयर की है। जिसको देखकर उनके फैंस काफी एक्साइटेड हैं। फोटो में उनके साथ फिल्म के डायरेक्टर और लीड एक्टर रणबीर कपूर नजर आ रहे हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस मनीषा कोइराला आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने फिल्मों में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है और इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस का दर्जा हासिल किया है। अब हाल ही में मनीषा के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। इंग्लैंड के ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय से एक्ट्रेस को ऑनरेरी डॉक्टरेट की उपाधि मिली है। एक्ट्रेस ने कहा-"यह सम्मान मेरे लिए शब्दों से परे है। यह इस बात का प्रमाण है कि आप चाहे कहीं से भी शुरूआत करें, आपकी यात्रा मायने रखती है। मेरी कहानी में मूल्य देखने के लिए ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय का धन्यवाद। बढ़ते रहो। चमकते रहो...

मनीषा को ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय से मिली डॉक्टरेट की उपाधि

दीपिका की सलामती की दुआ मांगने दरगाह पहुंचे शोएब

टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ और उनके पूरे परिवार के लिए पिछले कुछ महीने काफी मुश्किल भरे थे। दीपिका स्टेज 2 कैंसर से जूझ रही हैं।उनके लीवर में एक टेनिस बॉल के साइज का ट्यूमर था जिसको डॉक्टर्स ने निकाल तो दिया। दीपिका के दर्द से बेहाल शोएब इब्राहिम ने उस मुश्किल घड़ी में हाजी अली को याद किया था। ऐसे में जैसे ही दीपिका ठीक हुईं शोएब हाजी अली का सदका करने के लिए उनकी दरगाह में पहुंचे। अपने व्लॉग में उन्होंने इस बात की जानकारी दी। इसके साथ एक्टर शोएब ने एक इमोशनल वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया जिसको देख फैंस भावुक हो रहे हैं। इस वीडियो को शेयर कर उन्होंने लिखा- जब भी थक जाऊंगा, डर जाऊंगा ,टूटा सा महसूस करूंगा, मैं फिर से यही लौट आऊंगा, क्योंकि मुझे पता है जहां पहली बार सुना गया था वहां फिर से सुना जाऊंगा। यहां आकर उन्होंने एक बार फिर दीपिका की अच्छी सेहत के लिए दुआ की है। हाल ही में दीपिका ने बताया था कि अब भी खतरे से बाहर नहीं है। डॉक्टरों ने चेताया है कि यह बीमारी भविष्य में दोबारा लौट सकती है, जिसके चलते अब दीपिका का ट्रीटमेंट लंबा चलने वाला है। डॉक्टरों ने दीपिका को फिलहाल वेट ट्रेनिंग और योगा करने से मना किया गया है इसके पीछे की वजह बताते हुए उन्हें कहा गया कि यह सब चीजें करने में शरीर पर स्ट्रेचिंग का दबाव पड़ेगा। उन्हें केवल हल्की-हल्की सैर करने को बोला गया है। साथ ही, उन्हें तला-भुना और बाहर का खाना न खाने की सलाह दी गई है। डॉक्टरों का कहना है कि घर का बना हल्का भोजन ही उनकी सेहत के लिए ठीक रहेगा।

डेजी शाह ने बिग बॉस 19 में शामिल होने पर तोड़ी चुप्पी..

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस फिर से चर्चा में आ गया है, जल्द ही इसका 19वां सीजन आने वाला है। हालांकि, शो में शामिल होने वाले सितारों का नाम लगभग सामने आ चुका है। इनमें ही सलमान खान की एक्ट्रेस डेजी शाह का भी नाम काफी सुर्खियों में था। अटकलें लगाई जा रही थी कि वो भी इस शो का हिस्सा होने वाली हैं। हालांकि, अब एक्ट्रेस ने खुद ही इन अफवाहों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया पर इसको लेकर स्टोरी शेयर की है।

बिग बॉस 19 टीवी पर दस्तक देने के लिए तैयार है, इसके लिए कई सितारों को भी अप्रोच किया गया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी तक कंटेस्टेंट की लिस्ट कंफर्म नहीं की गई है। लेकिन, कंटेस्टेंट को लेकर अटकलें लगनी शुरू हो गई है। इन्हीं में बताया जा रहा था कि डेजी शाह भी शो मीडिया पर स्टोरी शेयर कर के इन अटकलों को रोक दिया है।

डेजी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए न कभी होंगी। उन्होंने लिखा है, सभी अफवाहों को खत्म करते हुए, मैं धन्यवाद। एक्ट्रेस की इस स्टोरी के बाद से इस लिस्ट से उनका नाम करियर की बात करें, तो वो सलमान खान के साथ जय हो में नजर हाल ही में डेजी भोजपुरी स्टार खेसारी लाल के साथ एक गाने में नजर शॉक्ड थे, तो कुछ को वो काफी पसंद भी आईं। वहीं रियलिटी शो की में नजर आई थीं। हिंदी फिल्मों के साथ डेजी साउथ की फिल्मों में भी तो वो एक्टर से पहले कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की असिस्टेंट थीं, एक्टिंग में एंट्री ली।

नाखून का टूटना या पीला पड़ना, ये संकेत बताते हैं हमारी सेहत को लेकर बहुत कुछ

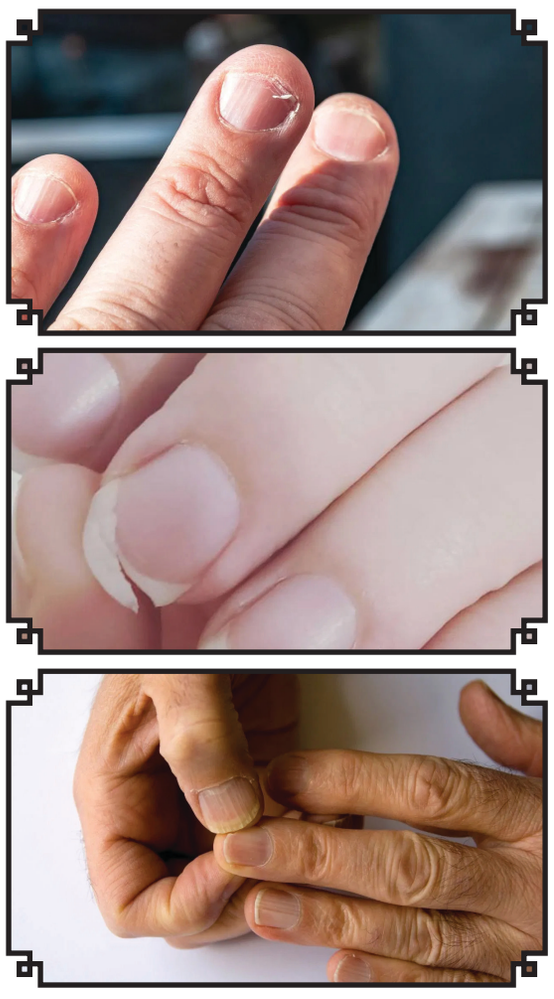

नाखून जहां हमारे हाथों की खूबसूरती बढ़ाते हैं वहीं ये सेहत का हाल भी बताते हैं। जी हां, नाखून की बनावट से लेकर रंग-रूप तक से पता लगाया जा सकता है कि आपके शरीर के अंदर क्या चल रहा है। नाखून पर पड़े सफेद निशान से लेकर नाखून टूटने तक..ये कुछ संकेत होते हैं की हमारे शरीर स्वस्थ नहीं है। एक हेल्दी नाखून हल्के गुलाबी रंग और ठोस बनावट के होते हैं। लेकिन जब उसमें अंतर दिखने लगे तो समझ जाएं की ये किसी बीमारी का संकेत है।

क्योंकि जब भी शरीर में किसी भी पोषक तत्व की कमी होती है तो इसका सीधा असर हमारे नाखूनों पर पड़ता है। एक्सपर्ट भी मानते हैं कि नाखूनों का रंग, टेक्सचर और शेप बदलना कई बार गंभीर बिमारियों का भी संकेत हो सकता है। तो चलिए आज इस आर्टिकल में जानते हैं कि किस तरह के नाखून का क्या होता है संकेत ?

नाखून का खुरदरा होना

हेल्थलाइन के मुताबिक, नाखून का खुरदुरा होना या बार-बार टूटना और उनमें दरार आना एक आम समस्या बन गया है। इसे ओनाइकोस्किजिया कहा जाता है। ये समस्या ज्यादा पानी का काम करने से आती है। वहीं, कुछ मामलों में ये हाइपोथायरॉइडिज्म (थायरॉइड की कमी) या आयरन की कमी से भी हो सकती है। ऐसे में आप जब भी पानी का कम करें तो ग्लव्स पहनें। या फिर ऐसे लोशन का इस्तेमाल कें जिनमें अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड (अल्फअ) या लैनोलिन होता है।

सॉफ्ट और कमजोर नाखून

अगर आपके नाखून बहुत ज्यादा सॉफ्ट हैं और बहुत जल्दी टूट जाते हैं तो हो सकता है कि आपके शरीर में विटामिन इ, कैल्शियम, आयरन और फैटी एसिड की कमी हो सकती है। या फिर आपको नाखून ज्यादा नमी या केमिकल के कॉन्टैक्ट में आने से नर्म हुए हैं। जैसे डिटर्जेंट, क्लीनिंग फ्लुइड्स, नेल पॉलिश, नेल रिमूवर या बार-बार किए गए नेल ट्रीटमेंट्स। अगर आपके शरीर में पोषण की कमी है तो मल्टीविटामिन ले सकते हैं। इससे नाखूनों को अंदर से पोषण मिलेगा और धीरे-धीरे मजबूती भी आएगी।

नाखूनों पर लाइनें दिखना

अगर आपके नाखूनों पर लाइनें दिख रही हैं, जो दो तरह की होती हैं एक वर्टिकल यानी ऊपर से नीचे की और दूसरी हॉरिजॉन्टल यानी सीधी। नाखूनों पर वर्टिकल लाइनें होना कोई गंभीर समस्या नहीं है। लेकिन अगर लाइनों के साथ ही नाखून टूट या रंग बदल रहे हैं तो चिंता की बात हो सकती है। वहीं, हॉरिजॉन्टल लाइनों की बात करें तो इन्हें Beau's lines भी कहा जाता है। इन लाइनों का संकेत होता है किडनी की समस्या होना। इसके लिए आप किसी डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं।

पीले नाखून होना

वैसे तो नाखून का पीला पड़ना एक आम समस्या है। लेकिन इसके पीछे भी कुछ कारण हो सकते हैं। जैसे ईफेक्शन या किसी प्रोडक्ट का इफ्केट। लेकिन वहीं कुछ मामलों मे किसी गंभीर बीमारी का भी संकेत हो सकतें। जैसे, थायरॉइड की गड़बड़ी, सोरायसिस (त्वचा से जुड़ी समस्या) या डायबिटीज। अगर ईफेक्शन की वजह से नाखून पीले हुए हैं तो टी ट्री ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन अगर ये सेहत से जुड़ा है तो डॉक्टर से सलाह लें।

नाखून में सफेद दाग होना

नाखून पर छोटे-छोटे सफेद दागा होना वैसे तो एक आम प्रॉब्लम है, जो किशोरावस्था के लोगों में दिखाई देती है। हालांकि, अगर आप की उम्र ज्यादा है और नाखून पर सफेद दाग हैं तो ये किसी शारीरिक समस्या का संकेत भी हो सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ये समस्या जिंक की कमी का संकेत हो सकती है। या फिर फंगल इन्फेक्शन और एलर्जिक रिएक्शन भी इसकी एक आम वजह हैं। अगर ये दाग लंबे समय तक बने हुए हैं तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

नाखूनों की परत उतरना

अगर आपके पैरों के नाखून की परत उतरने लगी है तो शरीर के अंदर की किसी कमी (जैसे आयरन की कमी) का संकेत हो सकता है। वहीं, अगर हाथ के नाखूनों की परत उतर रही है तो इसका कारण बाहरी चोट या दबाव हो सकता है। जैसे नाखून को टूल की तरह इस्तेमाल करना या या एक्रिलिक नेल पॉलिश को जबरदस्ती हटाना। इसके अलावा, अगर आप ज्यादा देर तक झाग वाले पानी (जैसे बर्तन धोते समय) में हाथ भिगोए रखते हैं, तो भी नाखून छिलने लगते हैं।

सावन के शनिवार पर कर लें यह उपाय, शिव जी के साथ शनि देव की भी बरसेगी कृपा

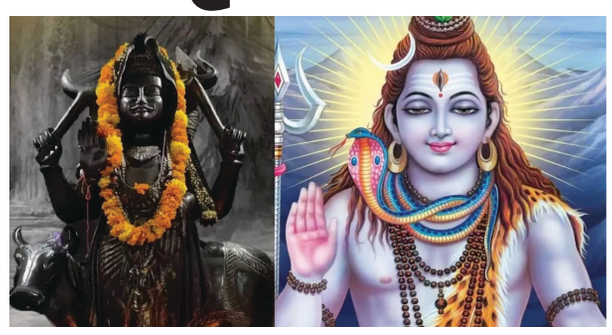

सावन माह को भोलेनाथ की आराधना और भक्ति के लिए अति शुभ माना जाता है। सावन माह में शनिवार के दिन भोलेनाथ के साथ न्याय के देवता शनि देव की आराधना करने के लिए पुण्य फल की प्राप्ति होती है। शनि देव को भगवान शिव का शिष्य माना जाता है। इन दोनों का संबंध बहुत गहरा है। इसीलिए सावन में इन दोनों की पूजा फलदायी हो सकती है।

शनिवार के दिन दोनों की देवताओं की आराधना करने से गुरु और शिष्य दोनों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और सभी कार्य पूर्ण हो जाते हैं। सावन माह का दूसरा शनिवार 19 जुलाई, 2025 को पड़ रहा है। जानते हैं इस दिन कैसे करें देवों के देव महादेव और कर्मफल देवता शनि देव की पूजा, साथ ही जानें इस दिन किए जाने वाले उपाय।

सावन के हर शनिवार को निर्धनों को खाने पीने की वस्तुओं का दान करें। अगर सावन के हर शनिवार को ऐसा करते हैं तो इससे आपकी रोजगार से संबंधित समस्या दूर हो जाएगी। जिन लोगों पर शनि की साढ़ेसाती , शनि की ढैय्या चल रही है या शनि दोष से पीड़ित हैं उन लोगों को सावन के शनिवार पर पूजा करने से लाभ मिल सकते हैं। इस दिन पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक, काले तिल डाल कर जलाएं। इसके बाद शिव जी के मंत्रों का जाप करें और फिर शनि देव के मंत्र का जाप करें।

सावन के शनिवार को संपत शनिवार कहा जाता है। सावन के शनिवार पर धन और संपत्ति का लाभ हो सकता है। क्योंकि यह धन और संपत्ति देता है इसीलिए इसे संपत शनिवार कहते हैं।

सावन के सभी शनिवार पर शनि देव की पूजा जरूर करें, ऐसा करने से आपको लाभ हो सकता है और आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, साथ ही धन लाभ हो सकता है। सावन के महीने में शनिदेव की उपासना सबसे ज्यादा लाभकारी मानी जाती है। सावन में जो लोग शनि देव की पूजा करते हैं उनके लिए इसके परिणाम बहुत शुभ होते हैं।

फंगस क्या है और यह क्यों फैलता है ? पहचानें फंगस वाली बीमारी और बचाव

घर की साफ-सफाई सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी जरूरी है. फंगस एक ऐसी चीज है जो बिना शोर-शराबे के घर में अपनी जगह बना लेती है और धीरे-धीरे हमारी सेहत पर असर डालती है. इसलिए बेहतर है कि समय रहते इससे बचाव के उपाय अपनाएं और साफ-सुथरा माहौल बनाए रखें. खासकर बारिश के मौसम में नमी से बचना और घर को सूखा बनाए रखना सबसे अहम कदम है.

फंगस एक तरह का सूक्ष्मजीव है जो नमी और गंदगी वाली जगहों पर तेजी से पनपता है. बारिश या नमी के मौसम में यह ज्यादा एक्टिव हो जाता है. घर के कई कोनों में हवा का सही प्रवाह न होने, धूप न लगने या साफ-सफाई की कमी से फंगस आसानी से जम जाता है. खासकर मॉनसून में जब दीवारें गीली रहती हैं और हवा में नमी होती है, तब फंगल ग्रोथ तेजी से होती है.

घर में फंगस कहां पाया जाता है?

पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ समीर भाटी बताते हैं किफंगस अक्सर ऐसी जगहों पर पाया जाता है जहाँ हवा कम चलती है और नमी ज्यादा रहती है. इन जगहों पर अगर समय-समय पर सफाई और धूप नहीं लगती, तो फंगल ईफेक्शन फैल सकता है जैसे -

- बाथरूम की दीवारें और टाइल्स के कोने
- किचन सिंक के नीचे या आसपास की जगहें
- एसी की वेंट्स और फिल्टर
- छत पर सीलन वाली जगहें
- पायदान, गीले कारपेट के नीचे
- कई दिनों से बाथरूम में लटके कपड़े
- स्टोर रूम या बालकनी में रखे पुराने कबाड़
-कपड़ों की अलमारी, खासकर जहां धूप नहीं लगती
- पुरानी लकड़ी या कारपेट के नीचे की सतहें

-फंगस से कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती हैं?

फंगस से नाना प्रकार की बीमारियां हो सकती है. फंगस से सबसे पहले स्किन पर असर होता है. कई बार यह एलर्जी, खुजली, लाल चकत्ते या स्किन इंफेक्शन की शक्ल में सामने आता है तो कई सांस लेने की दिक्कत भी फंगस के कारण हो सकती है. कुछ आम बीमारियां जो फंगस के कारण होती है इन्हें पहचाने -

1) Ringworm (दाद) गोल घाव वाला फंगल इन्फेक्शन जो स्किन पर होता है.

2) Athlete's Foot पैरों की उंगलियों के बीच खुजली और जलन होना.

3) Fungal sinusitis नाक बंद होना, सांस लेने में दिक्कत और सिरदर्द जैसी दिक्कतें.

4) कैंडिडा इंफेक्शन शरीर के अंदरूनी हिस्सों में फैलने वाला संक्रमण, खासकर महिलाओं में योनि क्षेत्र में.

5) कुछ मामलों में कमजोर इम्यून सिस्टम वाले लोगों को ब्लैक फंगस (म्यूकोरमायकोसिस) जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है.

कला दर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट
साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक संस्था

वर्षा जल संचयन और भूजल प्रदूषण रोकना हमारा मूल कर्तव्य : उप निदेशक त्रिपाठी

संवाददाता

झांसी, उत्तर प्रदेश। भूगर्भ जल विभाग एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बबीना विकासखंड की ग्राम पंचायत पृथ्वीपुर नया खेड़ा स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में भूजल सप्ताह के दूसरे दिन वृक्षारोपण एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप निदेशक, अर्थ एवं संख्या विभाग, श्री एस.एन. त्रिपाठी ने कहा कि वर्षा जल संचयन के साथ भूजल प्रदूषण को रोकना हमारा मूल कर्तव्य है, क्योंकि जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कार्यक्रम की शुरूआत श्री त्रिपाठी एवं उनकी पत्नी श्रीमती रेखा त्रिपाठी द्वारा गुलमोहर, आम, अमरूद, आवंला व मौसमी जैसे फलदार पौधों के रोपण से हुई। इस अवसर पर भूगर्भ जल विभाग के नोडल अधिकारी श्री मनीष कुमार कनौजिया, सहायक भू-भौतिकविद श्री आकाश दीप सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। छात्र-छात्राओं को अटल भूजल योजना से संबंधित लघु फिल्म दिखाकर जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों को जल की उपयोगिता और संरक्षण के विभिन्न उपाय बताए गए। कार्यक्रम के अंत में IEC एक्सपर्ट श्री मोहम्मद हैदर ने सभी को जल शपथ भी दिलाई। श्री त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा- हमें जल का उतना ही उपयोग करना चाहिए जितनी आवश्यकता हो। छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े जल संकट को टाला जा सकता है। इस मौके पर नोडल अधिकारी कनौजिया ने बताया कि सरकार भूजल स्तर को बेहतर

बनाने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रही है, लेकिन इसके लिए जनभागीदारी आवश्यक है। वहीं सहायक भू-भौतिकविद आकाश दीप ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 16 से 22 जुलाई तक भूजल सप्ताह मनाकर लोगों में जल के प्रति जागरूकता लाई जाती है।

किसानों को मिली उन्नत खेती की सीख

इसी क्रम में अटल भूजल योजना के अंतर्गत किसानों के लिए नेट शेड हाउस की एक्सपोजर विजिट भी कराई गई। ग्राम पंचायत में किसान विकेंद्र सिंह राजपूत के खेत में लगाए गए लो-कोस्ट नेट शेड हाउस को बबीना रूरल, बरोड़ा, गुआवली और घिसौली के किसानों को दिखाया गया। किसान विकेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें इस योजना के तहत 55,000 की सब्सिडी मिली। नेट शेड हाउस से टमाटर की फसल में अच्छा उत्पादन और मुनाफा हुआ। खेती टेक प्रा. लि. के विशेषज्ञ दिव्य प्रकाश व सौरभ कुंडू ने बताया कि इस तकनीक से किसान बेमौसम फसलें भी उगा सकते हैं जिससे उत्पादकता और आय दोनों बढ़ती हैं। इस अवसर पर भूगर्भ जल विभाग के हाइड्रोलॉजिस्ट श्री भारत दीप, वन दरोगा श्री कौशलेन्द्र सिंह, जल निगम के सहायक अभियंता श्री नितेश प्रताप सिंह, अवर अभियंता श्री विजेन्द्र जोशी, ग्राम्य विकास अधिकारी श्री जितेन्द्र साहू, प्रधान पति धर्मेन्द्र राजपूत, श्रीमती राखी वर्मा, श्री देवेंद्र रायकवार, श्री शोभित कुमार, श्री राजकुमार, श्री शेर सिंह, श्री हरि सिंह और श्री लखन लाल सहित अन्य गणमान्यजन एवं विभागीय कर्मी उपस्थित रहे।

91 शिकायतें प्राप्त, 43 का मौके पर निस्तारण: बिल रिवीजन मेगा कैंप में उमड़े उपभोक्ता

गुरसराय रोड मऊरानीपुर व गुरसरांय सब स्टेशन पर चला विशेष बिजली समाधान अभियान

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी, उत्तर प्रदेश। विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए जिलेभर में शुरू हुए तीन दिवसीय बिल रिवीजन महा अभियान के तहत गुरसराय रोड मऊरानीपुर एवं गुरसरांय सब स्टेशन पर मेगा कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान उपभोक्ताओं से कुल 91 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 43 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। अभियान के शुभारंभ पर अधिशासी अभियंता (ग्रामीण) इंजीनियर सुभाष चंद्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री के निर्देशानुसार उपभोक्ताओं को सही बिजली बिल उपलब्ध कराने की दिशा में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आगामी 18 जुलाई को रानीपुर व बामौर, जबकि 19 जुलाई को टीकमगढ़ बस स्टैंड व गरौठा सब स्टेशन पर भी इसी प्रकार के मेगा कैंप आयोजित किए जाएंगे।

बिल संशोधन की सर्वाधिक शिकायतें

कैंप में आए उपभोक्ताओं ने सर्वाधिक शिकायतें गलत बिलिंग, ट्रांसफार्मर बदलाव, विद्युत भार वृद्धि तथा बिजली आपूर्ति की अनियमितता को लेकर दर्ज कराईं। अधिशासी अभियंता ने बताया कि सभी शिकायतों को 1912 हेल्पडेस्क पर पंजीकृत किया गया है और उनका एक सप्ताह के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उपभोक्ता अपने बिल संशोधन की स्थिति ऑनलाइन अकाउंट में भी देख सकेंगे।

जनप्रतिनिधि भी हुए शामिल

इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री प्रदीप पटेल, एसडीओ अनिरुद्ध मौर्य, विद्युत विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी, एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपभोक्ता उपस्थित रहे। कैंप में नए कनेक्शन, मीटर खराबी, विधा परिवर्तन, बिल भुगतान संबंधी शिकायतें भी प्राप्त हुईं।

व्यापक प्रचार और पारदर्शी प्रक्रिया

इंजीनियर सुभाष चंद्रा ने बताया कि बिल रिवीजन अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार स्थानीय समाचार पत्रों, सोशल मीडिया, जनप्रतिनिधियों से संवाद और मुनादी के माध्यम से किया गया है ताकि अधिक से अधिक उपभोक्ता इसका लाभ उठा सकें। शिकायतों का निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करने के लिए अधिशासी अभियंता (वितरण), उपखंड अधिकारी, सहायक अभियंता (मीटर), परीक्षण अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी कैंपों का निरीक्षण कर रहे हैं।

अवैध कीटनाशक रसायन निर्माण का भंडाफोड़, गोदाम सील

कृषि अधिकारी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्यवाही शुरू

डॉ. अंशुमान अग्निहोत्री

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। जिले के अकरमपुर मगरवारा क्षेत्र में अवैध रूप से कीटनाशक रसायन का निर्माण व पैकिंग किए जाने की सूचना पर कृषि विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने औचक छापेमारी कर एक गोदाम को सील कर दिया। गोपनीय सूचना पर की गई इस कार्रवाई का नेतृत्व कृषि रक्षा अधिकारी श्री शशांक चौधरी ने किया। टीम के साथ पहुंचे पुलिस बल ने गोदाम की गहन तलाशी ली, जिसमें भारी मात्रा में रॉ मटेरियल की बोरियां, कीटनाशक रसायनों के गत्ते, पैकिंग मशीन, मिक्सिंग मशीन, पैकिंग में उपयोग किए जाने वाले धागे व खाली उर्वरक पैकेट बरामद हुए।

पूछताछ में गोदाम में मौजूद व्यक्ति राजेंद्र पुत्र बाबूलाल कोई वैध दस्तावेज या संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत नहीं कर सका। प्रथम दृष्टया सामग्री संदिग्ध पाई गई, जिस पर टीम ने कीटनाशक रसायन का नमूना संग्रहित कर विश्लेषण हेतु प्रयोगशाला भेजने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। नायब तहसीलदार सदर धीरज त्रिपाठी की उपस्थिति में गोदाम को विधिवत सील कर दिया गया। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया कि आरोपी के विरुद्ध कीटनाशक अधिनियम के अंतर्गत विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। कृषि रक्षा अधिकारी श्री चौधरी ने बताया कि बिना लाइसेंस और नियमों का उल्लंघन करते हुए इस प्रकार का भंडारण एवं निर्माण न केवल किसानों के हित के विरुद्ध है, बल्कि स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए भी खतरनाक हो सकता है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इस तरह के अवैध कार्यों में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, और जिले में नियमित जांच अभियान जारी रहेगा।

ग्राम पंचायतों में स्थापित होंगी डिजिटल लाइब्रेरी, प्रतियोगी छात्रों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना कर प्रतियोगी छात्रों को स्मार्ट सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे डिजिटल पुस्तकालय, पंचायत भवन, उत्सव भवन, पंचायत प्रतिपूर्ति योजना, ग्राम ज्ञानालय आदि की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि डिजिटल लाइब्रेरी में स्मार्ट एलईडी टीवी, यूपीएस, डेस्कटॉप, प्रिंटर और फर्नीचर आदि सुविधाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराई जाएं, ताकि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले ग्रामीण छात्रों को लाभ मिल सके। उन्होंने पुस्तक क्रय, फर्नीचर क्रय तथा उपकरणों की खरीद के लिए समितियों के गठन और संचालन में शासन की

गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। लाइब्रेरी में अच्छे प्रशासन, सामान्य ज्ञान, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी डिजिटल सामग्री भी सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम न्यायालय योजना के माध्यम से भी ग्रामीण युवाओं को आधुनिक तकनीक और गुणवत्ता वाली शिक्षा से जोड़ा जाएगा, साथ ही जिला विद्यालय निरीक्षक को इसमें सहयोग देने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मांगलिक आयोजनों के लिए बनने वाले उत्सव भवन के लिए तहसील स्तर पर भूमि चयन कर गुणवत्ता युक्त निर्माण कराने तथा चयनित ग्राम पंचायतों में अधिकतम लोगों को लाभ मिले, यह सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। पंचायत प्रतिपूर्ति एवं प्रोत्साहन योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

'नेहा' बनकर रह रहा था बांग्लादेशी अब्दुल, भोपाल में पुलिस ने दबोचा; 25 साल पहले आया था भारत

संवाददाता

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बुधवारा इलाके में अपनी असली पहचान छुपा कर रह रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पकड़ा गया व्यक्ति खुद को नेहा नाम की किन्नर के रूप में पेश कर रहा था, जबकि असल में वह बांग्लादेशी नागरिक अब्दुल कलाम निकला। बताया जा रहा है कि अब्दुल कलाम ने भारत में रहते हुए नेहा नाम से पहचान पत्र, पासपोर्ट और अन्य सरकारी दस्तावेज भी बनवा लिए थे।

पुलिस के अनुसार, उसने इन दस्तावेजों के सहारे देश के भीतर और बाहर यहां तक कि बांग्लादेश की यात्रा भी की थी। पुलिस ने सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात उसे हिरासत में लिया। अभी वह तलैया थाने में है, जहां उससे गहन पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों की टीम भी मामले की जांच में सक्रिय है और उसके संपर्कों, कॉल रिकॉर्ड्स और मोबाइल चैट्स की पड़ताल की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, अब्दुल कलाम साल 2000 के आसपास, महज 17 साल की उम्र में बांग्लादेश से भारत आया था। तब से वह लगातार अलग-अलग स्थानों पर निवास करता रहा, पहले महाराष्ट्र में और फिर मध्यप्रदेश के भोपाल शहर में बस गया। वर्तमान में वह मंगलवारा क्षेत्र में रह रहा था। आरोपी ने भारत में रहते हुए खुद को किन्नर बताते हुए आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज फर्जी तरीके से बनवा लिए थे।

इसी पहचान के दम पर वह न केवल भारत में बेरोकटोक रह रहा था, बल्कि सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी को विशेष निगरानी में रखा गया है। थाने में महिला सुरक्षाकर्मी चौबीसों घंटे नजर रखे हुए हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि वह भारत में रहने के दौरान किसी आपराधिक गतिविधि में लिप्त रहा है या नहीं, इस दिशा में भी जांच जारी है। जांच में सामने आया है कि अब्दुल कलाम को फर्जी दस्तावेज तैयार कराने में कुछ लोगों ने मदद की थी।

पुलिस अब उन व्यक्तियों की भी तलाश कर रही है, जिन्होंने उसे पहचान पत्र और अन्य कागजात तैयार करवाने में सहयोग किया। जल्द ही उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। अब्दुल कलाम उर्फ नेहा किन्नर से जुड़ा एक पुराना आपराधिक मामला भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, करीब पांच साल पहले किन्नर काजल बंबइया से उसका विवाद हुआ था। जिसके बाद एमपी नगर थाने में एक केस दर्ज किया गया था।

उक्त मामले में न्यायालय में दो बार सुनवाई हो चुकी है। अगली पेशी की तारीख 21 जुलाई तय की गई है। जब तक यह मामला न्यायिक प्रक्रिया से गुजर रहा है, तब तक आरोपी को देश से बाहर नहीं भेजा जाएगा।

65 साल का कोटा बैराज, 15 साल से मरम्मत को तरस रहा, कभी भी गिर सकती है रेलिंग

संवाददाता

कोटा । राजस्थान के कोटा में स्थित कोटा बैराज की रेलिंग जर्जर हालात में हैं। उसके अंदर पड़ी सरिया तक साफ दिखाई देने लगी है। जल संसाधन विभाग बैराज की मरम्मत और सुरक्षा पर ध्यान नहीं दे रहा है। यहां तक की गेट की भी मरम्मत नहीं करा रहा है। इतना ही नहीं कई वर्षों से बैराज पर बने पुल पर आवाजाही बंद है। उसके बाद भी इस टूटी-फूटी रेलिंग पर कई लोग बैराज के गेटों को देखते हुए नजर आते हैं, जो कि कभी भी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है। इस पर प्रशासन बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है।

हाड़ौती के सबसे बड़े और सबसे पुराने कोटा बैराज 64 वर्षों से दाईं और बाईं मुख्य नहरों के जरिय से राजस्थान और मध्य प्रदेश की 6.50 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचित करने में मददगार रहा है। इस बैराज से कोटा सहित बूंदी और भीलवाड़ा शहर की प्यास बुझा रहा है। कोटा सुपर पावर थर्मल को बिजली बनाने में मदद कर रहा है। उत्तरी ग्रिड रोशन हो रहा है। उसके बावजूद इसके रख-रखाव पर पिछले 15 वर्षों से किसी भी तरह का ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जबकि साल-दर-साल इसकी हालत खस्ता होती जा रही है। फिलहाल जिस तरीके से बारिश लगातार हो रही है पीछे से पानी की आवक भी लगातार बढ़ती जा रही है और मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए लगातार बैराज के गेट खुलने के कारण यहां आने जाने वालों का तांता लगा रहता है। इस दौरान उसी टूटी रेलिंग के ऊपर झुक कर खुले हुए गेटों को देखते हैं, कहीं ऐसा ना हो किसी दिन रेलिंग टूट जाए और बड़ा हादसा हो जाए। जिस तरीके से रेलिंग के दृश्य दिख रहे हैं उस हिसाब से इसकी खस्ता हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है जो की बेहद चिंता जनक है। इसके बाद भी अभी तक सबसे बड़ा सवाल है कि 65 सालों में क्यों इसका पुनः निर्माण नहीं किया गया। जबकि मात्र 300 मीटर दूरी पर ही 1400 करोड़ रुपए लगाकर रिवर फ्रंट का निर्माण किया गया। क्या कांग्रेस की सरकार में इस जगह के लिए 14 करोड़ भी नहीं या फिर कांग्रेस सरकार ने इस और ध्यान देना उचित ही नहीं समझा।

युवक ने पत्नी और उसके प्रेमी की प्रताड़ना से परेशान होकर खा लिया जहर

संवाददाता

बरेली । उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के ईध जागीर गांव में एक युवक ने पत्नी और उसके प्रेमी की प्रताड़ना से परेशान होकर जहर खा लिया। उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आरोपी पत्नी व उसके प्रेमी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामला नवाबगंज कस्बे से सटे गांव ईध जागीर के मोहल्ला शक्तिनगर का है। यहां रहने वाले मोहनलाल के बेटे अजीत कुमार की शादी पीलीभीत जिले के बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गजाड़ा गांव निवासी संध्या से हुई थी। शादी के बाद दोनों नोएडा में रहकर काम कर रहे थे, लेकिन कुछ समय बाद दोनों के रिश्ते में खटास आ गई।

अजीत के पिता का आरोप है कि उनकी बहू संध्या के संबंध बरेली के क्योलड़िया थाना क्षेत्र के बबूरी गांव के एक युवक से हो गए थे। अजीत को इस बात की जानकारी तब हुई, जब उसने अपनी पत्नी को उस युवक के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया। इस पर अजीत ने इसकी शिकायत अपने ससुर और पिता से की। शिकायत करने के बाद संध्या और उसका प्रेमी बौखला गए। आरोप है कि दोनों ने अजीत के साथ मारपीट की और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। कई दिनों तक तनाव में रहने के बाद अजीत ने 15 जुलाई को जहरीला पदार्थ खा लिया।

अजीत की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे इलाज के लिए बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

डॉक्टरों ने काफी कोशिश की, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई। अजीत की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर नवाबगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अजीत के पिता मोहनलाल ने थाने में तहरीर देकर बेटे की मौत के लिए बहू संध्या और उसके कथित प्रेमी को जिम्मेदार ठहराया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। ग्रामीणों का कहना है कि अजीत शांत स्वभाव का युवक था, लेकिन कुछ महीनों से वह मानसिक तनाव में था। परिजन भी मानते हैं कि घरेलू कलह और पत्नी की प्रताड़ना ने उसे आत्महत्या करने पर मजबूर कर दिया। नवाबगंज थाना प्रभारी अरुण श्रीवास्तव का कहना है कि मामला गंभीर है। परिजनों की शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरा में जन सुराज यात्रा के दौरान चोटिल हुए प्रशांत किशोर, सीने में लगी चोट

संवाददाता

आरा। बिहार में जन सुराज यात्रा के लिए शुक्रवार को आरा पहुंचे प्रशांत किशोर को एक अप्रत्याशित हादसे का सामना करना पड़ा। करीब 2 किलोमीटर लंबी पदयात्रा और रोड शो के बाद जब वह सभा स्थल की ओर बढ़ रहे थे, तभी भीड़ में एक महिला को बचाने के प्रयास में उन्हें सीने में गाड़ी के गेट से गंभीर चोट लग गई। इस चोट के बावजूद प्रशांत किशोर ने साहस दिखाते हुए मंच पर जाने का निर्णय लिया। मंच पर पहुंचते ही वह दर्द से कराहते नजर आए और चोटिल जगह पर ठंडे पानी की बोतल से सेक करते दिखाई दिए। यह नजारा वहां मौजूद सैकड़ों लोगों को चिंता में डाल गया। मंच से जन सुराज के वरिष्ठ नेता उदय नारायण सिंह ने घोषणा करते हुए बताया कि प्रशांत किशोर को चोट लग गई है, लेकिन वह फिर भी जनता से दो मिनट के लिए मिलने मंच पर आ रहे हैं। इस दौरान प्रशांत किशोर ने जनता का अभिवादन किया और फिर तुरंत मंच से उतरकर पास के आरा के निजी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में उनका सीटी स्कैन कराया गया। इलाज कर रहे डॉक्टर विजय गुप्ता ने बताया कि उन्हें सीने में चोट आई है, लेकिन यह गंभीर नहीं है। उन्हें प्राथमिक इलाज के तौर पर पेन किलर और एंटीबायोटिक दिया गया है। डॉक्टर ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है, 24 से 48 घंटे में वे पूरी तरह सामान्य हो जाएंगे। बताया जा रहा है कि यह चोट तब लगी जब उन्होंने एक महिला को भीड़ से बचाने के लिए गाड़ी का गेट खोला और अचानक बंद करने के दौरान सीना गेट और गाड़ी के बीच फंस गया। हालांकि, अब डॉक्टरों ने साफ कर दिया है कि पीके को जो चोट लगी है वो गंभीर नहीं है।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर. एन.के.इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं.१४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रुज़ (पूर्व) मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। संपादक : सुनील कुमार तिवारी, RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, Mob.8898271111 • संपादकीय कार्यालय- कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साई बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051,